RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 नव्या जल्द करेंगी बॉलीवुड...

वर्ष : 26 | अंक : 161 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 02 जून, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

दिल्ली में गहराता जा रहा है पानी का संकट

नई दिल्ली, एजेंसी। बढ़ती गर्मी के बीच राजधानी दिल्ली में पानी की समस्या को लेकर दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। दिल्ली के तमाम इलाकों में पानी की समस्याओं से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को टैंकरों के जरिए पानी की आपूर्ति की जा रही है। ओखला फेज 2 और चाणक्यपुरी के संजय कैंप में पानी के टैंकर पहुंचे। जहां पानी लेने के लिए लोग टैंकर के ऊपर चढ़ गए। पानी के लिए हाथापाई भी की।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बिजली की रिकॉर्ड तोड़ मांग पूरी करने पर अपनी पीठ थपथपाई है, पर पानी की कमी पर केंद्र से यूपी और हरियाणा सरकार से अतिरिक्त पानी दिलवाने की मांग की है। उधर, दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने केंद्रीय जल मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को पत्र लिखकर अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराने की मांग की है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इस बार गर्मी में पूरे देश में अभूतपूर्व गर्मी पड़ रही है जिसकी वजह से देश भर में पानी और बिजली का संकट हो गया है। पिछले वर्ष दिल्ली में बिजली की सबसे अधिक मांग 7438 मेगावाट रही थी, जबकि इस साल बिजली की अधिक मांग 8302 मेगावाट तक पहुंच गई। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में पानी की मांग बहुत बढ़ गई है। वहीं, पड़ोसी राज्यों ने दिल्ली को देने वाले पानी में कमी कर दी है। इस तरह मांग बढ़ गई और आपूर्ति कम हो गई है।

उन्होंने पानी की कमी के मामले में भाजपा के प्रदर्शन पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि इससे समस्या का समाधान नहीं निकलेगा। इस वक्त राजनीति करने की बजाय मिलकर दिल्ली के लोगों को राहत दिलवाने की पहल करनी चाहिए। भाजपा हरियाणा और उत्तर प्रदेश की अपनी सरकारों से बात करके एक महीने के लिए दिल्ली को कुछ पानी दिलवा दें तो दिल्ली वाले उसके इस कदम की खूब सराहना करेंगे।

दूसरी ओर, जल मंत्री आतिशी ने पेयजल संकट से निपटने के लिए केंद्रीय जलमंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को पत्र लिखा है। उन्होंने मांग की कि दिल्ली में भीषण गर्मी के कारण की पानी कमी हो गई है। हरियाणा से भी कम पानी आ रहा है। जबकि गर्मी के कारण ज्यादा पानी की जरूरत है। इसलिए दिल्ली को हरियाणा या उत्तर प्रदेश से अतिरिक्त पानी दिलवाया जाएं।

बूंद-बूंद को तरस रहे लोग, एक हफ्ते से नहीं आ रहा पानी टैंकर

किराड़ी के आदर्श लक्ष्मी विहार के लोग बूंद-बूंद के लिए तरस रहे हैं, यहां पानी की समस्या इतना विकराल रूप ले चुकी है कि लोगों को पीने तक के लिए पानी नहीं मिल रहा। नौबत यहां तक आ गई है कि दुकान से खरीद कर एक बोतल से पूरे परिवार को गुजारा करना पड़ रहा है। इस बाबत स्थानीय लोगों का कहना है कि बड़ी उम्मीद के साथ पानी के डिब्बे बाहर निकाल कर रखते है, लेकिन जल बोर्ड टैंकर ही नहीं भेजता। बीते करीबन एक हफ्ते से पानी तक नहीं मिला है। जिसकी वजह से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

आज तिहाड़ जाकर करूंगा सरेंडर, जेल में मुझे रहेगी आप सबकी चिंता : केजरीवाल

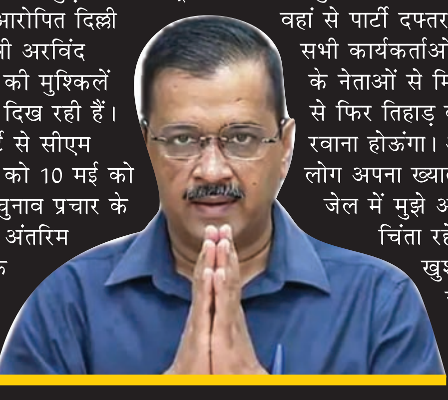

दिल्ली, एजेंसी। आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपित दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें थमती नहीं दिख रही हैं। सुप्रीम कोर्ट से सीएम केजरीवाल को 10 मई को लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए मिली अंतरिम जमानत एक जून को खत्म हो गई है। अब आज दो जून को उन्हें तिहाड़ जेल में सरेंडर करना होगा।

सरेंडर करने से पहले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की जनता और कार्यकर्ताओं को भावुक संदेश दिया है।दिल्ली सीएम ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मैं 21 दिन चुनाव प्रचार के लिए बाहर आया। माननीय सुप्रीम कोर्ट का बहुत बहुत आभार। आज तिहाड़ जाकर सरेंडर करूंगा। दोपहर 3 बजे घर से निकलूंगा। पहले राजघाट जाकर महात्मा गांधी जी को श्रद्धांजलि दूंगा। वहां से हनुमान जी का आशीर्वाद लेने कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर जाऊंगा। और वहां से पार्टी दफ्तर जाकर सभी कार्यकर्ताओं और पार्टी के नेताओं से मिलूंगा। वहां से फिर तिहाड़ के लिए रवाना होऊंगा। आप सब लोग अपना ख्याल रखना। जेल में मुझे आप सबकी चिंता रहेगी। आप खुश रहेंगे तो जेल में आपका केजरीवाल भी खुश रहेगा। इससे पहले सीएम केजरीवाल ने ट्रायल कोर्ट में दो याचिकाएं दायर की। एक याचिका में नियमित जमानत की मांग की तो दूसरी याचिका में चिकित्सा के आधार पर 7 दिन की अंतरिम जमानत की मांग की। स्वास्थ्य के आधार पर अंतरिम जमानत सात दिन बढ़ाने वाली याचिका पर शनिवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने फैसला 5 जून तक सुरक्षित रखा लिया। वहीं, मुख्यमंत्री की नियमित जमानत याचिका पर राउज एवेन्यू कोर्ट में सात जून को सुनवाई होगी।

कबाड़ के गोदाम में लगी भीषण आग, दमकल विभाग ने पाया काबू

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में एक कबाड़ के गोदाम में भीषण आग लग गई। जारचा कोतवाली क्षेत्र के पटाडी गांव के पास कबाड़ के गोदाम में भीषण आग लग गई।

आग लगने के बाद दमकल विभाग को सूचित किया गया। जिसके बाद दमकल विभाग की कई गाड़िया मौके पर पहुंची। आग लगने की खबर के बाद चारों तरफ अफरातफरी मच गई।

एलिवेटेड स्टेशनों के प्लेटफार्म पर अब होगी स्टील की रेलिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। पिंक लाइन के गोकलपुरी मेट्रो स्टेशन के हादसे के बाद इस कॉरिडोर के एलिवेटेड स्टेशनों की डिजाइन में बड़ी खामी सामने आई है। ऐसे में, दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) अब एलिवेटेड स्टेशनों के प्लेटफार्म पर ड्रेन के ऊपर बनी कंक्रीट की दीवारों को तोड़कर उसकी जगह स्टील की रेलिंग लगाने का काम शुरू किया है। ताकि भविष्य में गोकलपुरी मेट्रो स्टेशन जैसा हादसा दोबारा न हो।

पिंक लाइन 59.24 किलोमीटर लंबी है, यहां पर 14 मार्च 2018 से छह अगस्त 2021 के बीच पांच चरणों में मेट्रो का परिचालन शुरू हुआ था। इसी क्रम में 31 अक्टूबर 2018 को पिंक लाइन पर त्रिलोकपुरी से शिव विहार के बीच मेट्रो का परिचालन शुरू हुआ।

ऐसी ही खामी पिंक लाइन के करीब सभी एलिवेटेड स्टेशनों पर है। पिंक लाइन पर मौजूद 38 स्टेशन में 12 भूमिगत और 26 एलिवेटेड स्टेशन हैं। इसमें से 17 एलिवेटेड स्टेशन मयूर विहार फेज एक मेट्रो स्टेशन से शिव विहार स्टेशन के बीच हैं।

अब इन स्टेशनों पर कंक्रीट की रेलिंग हटाकर स्टील की रेलिंग लगाई जा रही है। कई स्टेशनों के प्लेटफार्म पर स्टील की रेलिंग लगाने का काम पूरा भी हो गया है। इस मामले पर फिलहाल डीएमआरसी की प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर बढ़ा टोल टैक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरफिरेल एक्सप्रेसवे पर टोल रेट में 5 फीसदी का इजाफा कर दिया गया है। अब इस पर सफर के लिए 250 रुपये तक चुकाने पड़ेंगे। नए रेट 3 जून यानी सोमवार से लागू हो जाएंगे। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने टोल टैक्स में बढ़ोतरी कर दी है. इस बदलाव के बाद चौपहिया और हल्के वाहनों को 45 रुपये से लेकर 160 रुपये तक खर्च करने पड़ेंगे। वहीं, भारी वाहनों को 40 रुपये से लेकर 250 रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं. जाहिर है कि टोल की कीमत दूरी के आधार पर तय होगी।

अभी NHAI 135 किलोमीटर लंबे ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर 2.19 रुपये प्रति किलोमीटर का टोल चार्ज करता है. हालांकि, दिल्ली-गाजियाबाद के बीच के ट्रैफिक को टोल नहीं देना होता है। अधिकारियों के अनुसार, नए रेट 1 अप्रैल से ही लागू होने थे लेकिन चुनाव को देखते हुए इस बदलाव को रोक दिया गया।

155 की जगह 160 रुपये

अब इस बदलाव के बाद कार, जीप, वैन और अन्य हल्की गाड़ियों को दिल्ली में सराय काले खां से मेरठ के करीब काशीपुर टोल तक 155 रुपये की जगह 160 रुपये का भुगतान करना होगा। यह दूरी करीब 82 किलोमीटर की है. इतनी ही दूरी के लिए मिनी बस, एलएमवी और मालवाहक वाहन को 250 रुपये चुकाने होंगे। मेरठ और इंदिरापुरम के बीच हल्के वाहनों को 110 रुपये और भारी वाहनों को 175 रुपये चुकाने होंगे। मेरठ से गुरुग्राम के डुंडाहेड़ा तक हल्के वाहनों को 85 रुपये और भारी वाहनों को 140 रुपये देने होंगे। वहीं, मेरठ से डासना तक के लिए 70 रुपये और 115 रुपये का भुगतान करना होगा।

8 दिवसीय आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का शुभारंभ

चरित्र निर्माण राष्ट्र की सबसे बड़ी आवश्यकता है : डा. योगानंद शास्त्री

नोएडा (चेतना मंच)। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर' का शुभारंभ प्रसिद्ध शिक्षाविद् डॉ.अशोक कुमार चौहान व शिक्षाविद डा. अमिता चौहान के सान्निध्य में एमिटी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर-44 में किया गया। शिविर का समापन समारोह रविवार 9 जून को प्रात: 11 बजे होगा। इस शिविर में 200 आर्य युवक भाग ले रहे हैं। समारोह अध्यक्ष आर्य नेता आनन्द चौहान ने अपनी शुभकामनायें प्रदान करते हुए सफलता की कामना की।

मुख्य अतिथि दिल्ली विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ.योगानन्द शास्त्री ने ध्वजारोहण कर शिविर का शुभारम्भ किया और कहा कि चरित्रवान युवा राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायँगे। उन्होंने कहा कि आज चरित्र निर्माण करना राष्ट्र की सबसे बड़ी आवश्यकता है। परिषद इस दिशा में सतत प्रयत्नशील होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि महर्षि दयानन्द समग्रक्रांति के अग्रदूत थे देश की आजादी में उनका अविस्मरणीय योगदान सदैव याद रहेगा। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आर्य युवक परिषद शिविरों के माध्यम से युवा पीढ़ी को संस्कारित करने का अभियान देश भर में तीव्र गति से चलाएगी। नयी पीढ़ी नशा मुक्त हो,मातापिता की आज्ञा कारी हो,ईश्वर भक्त देश भक्त बने,यही हमारा लक्ष्य है।

वैदिक विद्वान डा. जयेन्द्र आचार्य (कुलपति आर्ष गुरुकुल नोएडा) ने कहा कि शिविर का उद्देश्य है युवा कोई भी ऐसा कार्य न करें कि उस पर उंगली उठाई जा सके।

आर्य समाज अरुण विहार नोएडा के प्रधान ब्रिगेडियर मुक्ति कांत महापात्र ने कहा कि आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती ने भी एक नई वैचारिक क्रांति को जन्म दिया।

विद्यालय की प्रधानाचार्या रेणु सिंह ने कहा कि आर्य समाज संस्कृति की रक्षा में संलग्न है हम उसमें सहभागी है।बहिन गायत्री मीना ने संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डाला।

आर्य नेता आनन्द चौहान ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि भावी युवा पीढ़ी चरित्रवान व संस्कारवान बने यही आर्य समाज का उद्देश्य है।

प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि बच्चे कच्चे घड़े की तरह होते है जैसे बचपन में बनाओगे वे वैसा ही बनेंगे। सुप्रसिद्ध गायक पिंकी आर्य, प्रवीण आर्य ने सुन्दर भजन प्रस्तुत किए।

शिक्षक सौरभ गुप्ता व योगेन्द्र शास्त्री के निर्देशन में 8 दिन तक युवकों को योगासन, दण्ड बैठक, लाठी, जूडो कराटे, आत्म रक्षा व साथ ही संध्या यज्ञ,भारतीय संस्कृति की जानकारी का शिक्षण दिया जायेगा जिससे वह अपनी पुरातन संस्कृति पर गर्व करना सीखें। परिषद के राष्ट्रीय महासचिव महेन्द्र ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर यज्ञवीर चौहान, सुरेश आर्य,अनिल चौहान, धर्मपाल आर्य, त्रिलोक शास्त्री, अरुण आर्य,विवेक अग्निहोत्री, सत्य पाल आर्य,नव्या आर्या, विनोद त्यागी, देवेन्द्र गुप्ता, देवेन्द्र आर्य, आर्य बंधु आदि उपस्थित थे।

2025 में दिल्ली विधानसभा चुनाव लडेगी 'आजाद अधिकार सेना'

नोएडा (चेतना मंच)। आज़ाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने उत्तर प्रदेश सरकार पर चुनावों के दौरान सरकारी मशीनरी के भारी दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन चुनाव के दौरान प्रदेश सरकार ने हर प्रकार से सरकारी साधनों संसाधनों का दुरुपयोग किया।

उन्होंने बताया कि आज़ाद अधिकार सेना ने पिछले लोकसभा चुनाव में 11 उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन उनमें से 5 उम्मीदवारों का पर्चा खारिज कर दिया गया और 6 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। उन्होंने नोएडा सहित अन्य स्थानों के जिला प्रशासन पर उनके प्रत्याशियों के पर्चे गलत ढंग से खारिज करने का आरोप लगाया और कहा कि नोएडा सहित उनके ये प्रत्याशी पर्चा खारिज होने के मामलों में साक्ष्य सहित इलेक्शन पिटिशन करेंगे।

अमिताभ ठाकुर ने यूपी सरकार पर कई आरोप लगाए और उनकी नीतियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी 2025 से दिल्ली विधानसभा चुनाव में पूरी ताकत से भाग लेगी और स्वयं वे भी किसी स्थान से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार के अपने मूल उद्देश्यों से पूरी तरह भटक जाने की बात कही। उनके साथ उनकी पत्नी डॉ नूतन ठाकुर, गौतमबुद्धनगर जिलाध्यक्ष यतेंद्र शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

रोग की चपेट

यह गंभीर चिंता की बात है कि देश के युवाओं की एक बड़ी संख्या कैंसर जैसे रोग की चपेट में आ रही है। यह स्थिति तब है जब पिछले कुछ दशक के दौरान आय के स्तर से लेकर खानपान और रहन-सहन आदि के मामले में ज्यादातर लोगों के बीच गुणात्मक सुधार देखा गया है। मगर इसके समांतर यह भी सच है कि इसी बीच सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ एक बड़ी आबादी खाने-पीने की चीजों और जीवनशैली को लेकर लापरवाह भी हुई है। इसका नतीजा यह है कि सामान्य से लेकर कुछ जटिल बीमारियां भी चुपके से लोगों के बीच अपने पांव फैला रही हैं। कैंसर भी उन्हीं घातक रोगों में से एक है। हाल में आई एक रपट में बताया गया है कि कैंसर रोगियों में से बीस फीसद की उम्र चालीस वर्ष से कम थी। इससे पता चलता है कि देश की युवा आबादी के बीच कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं। कहा जा सकता है कि इस तरह के अध्ययन से कैंसर के प्रति लोगों को जागरूक करने और देश को कैंसर मुक्त बनाने में सहायता मिल सकती है। मगर इससे यह भी साफ है कि कई वजहों से युवा इस रोग की जद में आ रहे हैं। फिलहाल इसकी चपेट में आए युवाओं में सिर और गर्दन के कैंसर के लक्षण पाए जा रहे हैं, मगर इस रोग की जैसी प्रकृति रही है, उसे देखते हुए इसके विस्तार से उपजे खतरे का अंदाजा लगाया जा सकता है। इस बीमारी के इलाज के मामले में अब तक जो सीमित उपाय हैं, उसमें इसे जीवनशैली में सुधार, टीकाकरण और समय पर जांच से रोका जा सकता है, मगर अफसोस की बात है कि ज्यादातर मामलों में चूंकि लोगों को पता नहीं चल पाता और इसी वजह से जांच में देरी होती है, इसलिए इसके शरीर में जानलेवा स्तर तक फैलने का खतरा पैदा हो जाता है। विडंबना है कि कुछ दशक पहले तक कैंसर के मामले इक्का-दुक्का सुनने में आते थे, आज अक्सर लोगों को अपने संपर्क के ही किसी व्यक्ति के कैंसर से पीड़ित होने या उसकी मौत की खबर सुननी पड़ती है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि भला भलाई ही ग्रहण करता है और नीच नीचता को ही ग्रहण किए रहता है। अमृत की सराहना अमर करने में होती है और विष की मारने में॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

खल अघ अगुन साधु गुन गाहा। उभय अपार उदधि अवगाहा॥
तेहि तें कछु गुन दोष बखाने। संग्रह त्याग न बिनु पहिचाने॥
दुष्टों के पापों और अवगुणों की और साधुओं के गुणों की कथाएँ- दोनों ही अपार और अथाह समुद्र हैं। इसी से कुछ गुण और दोषों का वर्णन किया गया है, क्योंकि बिना पहचाने उनका ग्रहण या त्याग नहीं हो सकता॥
भलेउ पोच सब बिधि उपजाए। गनि गुन दोष बेद बिलगाए॥
कहहिं बेद इतिहास पुराना। बिधि प्रपंचु गुन अवगुन साना॥
भले-बुरे सभी ब्रह्मा के पैदा किए हुए हैं, पर गुण और दोषों को विचार कर वेदों ने उनको अलग-अलग कर दिया है। वेद, इतिहास और पुराण कहते हैं कि ब्रह्मा की यह सृष्टि गुण-अवगुणों से सनी हुई है॥
दुख सुख पाप पुन्य दिन राती। साधु असाधु सुजाति कुजाती॥
दानव देव ऊँच अरु नीचू। अमिअ सुजीवनु माहुरु मीचू॥
माया ब्रह्म जीव जगदीसा। लच्छि अलच्छि रंक अवनीसा॥
कासी मग सुरसरि क्रमनासा। मरु मारव महिदेव गवासा॥
सरग नरक अनुराग बिरागा। निगमागम गुन दोष बिभागा॥
दुःख-सुख, पाप-पुण्य, दिन-रात, साधु-असाधु, सुजाति-कुजाति, दानव-देवता, ऊँच-नीच, अमृत-विष, सुजीवन (सुंदर जीवन)-मृत्यु, माया-ब्रह्म, जीव-ईश्वर, सम्पत्ति-दरिद्रता, रंक-राजा, काशी-मगध, गंगा-कर्मनाशा, मारवाड़-मालवा, ब्राह्मण-कसाई, स्वर्ग-नरक, अनुराग-वैराग्य (ये सभी पदार्थ ब्रह्मा की सृष्टि में हैं।) वेद-शास्त्रों ने उनके गुण-दोषों का विभाग कर दिया है॥

(क्रमशः...)

नये एवं विकसित भारत की बड़ी बाधा है भ्रष्टाचार

सबकी नजरें चुनाव परिणामों पर लगी है। ये चुनाव परिणाम ही तय करेंगे कि नये भारत, विकसित भारत एवं समृद्ध भारत की तस्वीर क्या करवट लेगी। भ्रष्टाचार एवं उससे उपजे हादसों ने चुनाव के दौरान ही ऐसे वीभत्स दृश्य उपस्थित किये, जो चुनावी मुद्दा न बनना एवं राजनेताओं के बीच इनकी चर्चा न होना, दुर्भाग्यपूर्ण तो है ही, लेकिन उससे ज्यादा चिन्ताजनक यह है कि हमारी राजनीति अभी भी विकसित भारत के सपने को आकार देने के लिये तैयार नहीं दिख रही है। पुणे पोर्शे कार एक्सीडेंट ने भ्रष्टाचार की इतने परतें खोली दी है कि उसमें न्यायालय, पुलिस, राजनेता, डाक्टर सभी अपना जमीर बेचते हुए दिखाई दिये हैं। इसी तरह राजकोट एवं दिल्ली की अग्निकांडों ने प्रशासन एवं व्यवसाय में पसरे भ्रष्टाचार की काली परतों को उजागर किया है। इस तरह अस्पताल हो चाहे होटल, गेम जोन या मॉल, सुरक्षा इंतजामों, प्रशासनिक जिम्मेदारी एवं ईमानदारी की खुलकर धज्जियां उड़ती रहेगी या पुणे की तरह अब बिकते रहेंगे तो विकसित भारत का सपना कैसे आकार लेगा?

छह सौ करोड़ी पिता ने अपने बेटे के अपराध पर पर्दा डालने एवं उसे बचाने के लिये किसको नहीं खरीदा। कैसे जनता की रक्षा होगी एवं उसे न्याय मिलेगा, जब सब बिकने के लिये तैयार बैठे हैं। बेबी केयर अस्पताल हो या राजकोट का गेम जोन का हादसा- किसी की जान की कीमत कागज के चंद टुकड़े कैसे हो सकती है? न्यायालय भी ऐसे मामलों में संज्ञान लेकर शुरुआत तो करता है, लेकिन यह शुरुआत अंजाम तक नहीं पहुंच पाती। हादसे की आंच ठंडी पड़ी नहीं कि मिलीभगत का खेल फिर शुरू हो जाता है। संबंधित अधिकारी भी आंख मूंदकर सो जाते हैं और फिर किसी हादसे के बाद ही उनकी कुंभकरणी नींद खुलती है। इन ज्वलंत एवं भ्रष्ट हालातों में कैसे भारत की तकदीर एवं तस्वीर बदलेगी?

भ्रष्टाचार और घोटालों के इस घटाटोप मौसम में ऐसा कुछ भी कह पाना मुश्किल हो गया है, जो भारत या इसके लोगों की जिंदगी पर उजली रोशनी डालता हो। भारत अपनी दुश्वारियों में लस्त-पस्त उस मध्ययुगीन योद्धा की तरह दिखता है, जो चुनावी जंग के मैदान में आहें भर रहा है। कोई नहीं जानता, किसके दामन में कितने दाग हैं? कोई नहीं जिस पर यकीन किया जा सके, धरती का कोई कोना नहीं, जिसके नीचे दबा कोई घोटाला खुदाई का इंतजार न कर रहा हो। लेकिन यही चुनाव, हादसों एवं भ्रष्टता के मौके होते हैं, जब किसी देश के सच्चे चरित्र का पता चलता है। आगे-पीछे चुनावों के तहत तथाकथित नेता द्वारा हजारों जुमलों में किसी समाज व्यवस्था को बहलाया जा सकता है, लेकिन बुरे वक्त में नहीं। भारत के चरित्र को परखने का सही समय चुनाव है या ऐसे वीभत्स हादसें एवं भ्रष्टता की अंधी गलियां।

भारत दुनिया का गुरु बनने एवं तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, दुनिया भारत के आध्यात्मिक अनुभवों से मोहित है और यह एक पक्की बात है कि धर्म को लेकर जैसा काम भारत में हुआ, वैसा कहीं नहीं हुआ और पिछले दशक में उसे और जीवंतता मिली। लेकिन यह एकांगी महानता है, क्योंकि दुनिया में तरक्की के पैमाने भौतिक हैं और उस मामले में भारत की ताकत सदियों पहले खत्म हो गई थी, अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अध्यात्म के साथ उसी भौतिक ताकत को बढ़ा रहे हैं। जहां तक ईमानदारी, निष्ठा और सत्य जैसे मूल्यों का सवाल है, वे कितने हमारी जिंदगी में हैं इसका पता करप्शन के आंकड़ों एवं बार-बार होने वाले हादसों से लग जाता है।

हाल के बरसों में जानकारों और मीडिया ने यह बात फैला दी है कि भारतीय इसलिए दुनिया में अनूठे हैं कि वे कुछ भी कर सकते हैं। लेकिन हमारे देश में ऐसे राजनेता हैं जो दुश्मन देशों की तरफदारी करते हुए लोगों के दिलों को जीतने की जुगाड़ में लगे हैं। ऐसे भी राजनेता है जो भ्रष्टाचार मुक्ति का नारा देते हुए कहते है कि आप हमें वोट देंगे तो हमारा जेल जाना रूक सकता है। यानी खुले आम अपने भ्रष्टाचार एवं घोटालों में भी जन-समर्थन मांग रहे हैं। स्मार्टनेस की इस दुहाई के चलते एक मामूली-से दिखने वाले व्यक्ति ने अब सिलेब्रिटी स्टेटस एवं सफल राजनेता होने की गरिमा को हासिल कर लिया है, और वह है जुगाड़ एवं जनता को गुमराह करने की कला। मैसेज यह है कि जरूरत पड़ने पर हमारे राजनेता किसी भी तरह काम निकाल लेते हैं। अब इस सोच का क्या किया जाए?

> **“भारत दुनिया का गुरु बनने एवं तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, दुनिया भारत के आध्यात्मिक अनुभवों से मोहित है और यह एक पक्की बात है कि धर्म को लेकर जैसा काम भारत में हुआ, वैसा कहीं नहीं हुआ और पिछले दशक में उसे और जीवंतता मिली।**

बात नये भारत एवं विकसित भारत की है, अपने देश में हर तरह के नियम-कानून है, पर उनके उल्लंघन की जैसी सुविधा यहां है, वैसी शायद ही अन्य कहीं हो। पुणे, राजकोट और दिल्ली के मामले इकलौते ऐसे प्रकरण नहीं, जिनमें सरकारी तंत्र को जवाबदेही से दूर रखने की कोशिश की गई हो। इस तरह के मामले रह-रहकर होते ही रहते हैं और उनमें बड़ी संख्या में लोग जान गंवाते हैं अथवा घायल होते हैं, लेकिन नियामक तंत्र के उन लोगों को कभी भी कठघरे में नहीं खड़ा किया जाता, जिनकी अनदेखी और लापरवाही के चलते जानलेवा घटनाएं होती रहती हैं। इसका उदाहरण है मुंबई में एक विशालकाय होर्डिंग गिरने से कई लोगों की मौत। यह विशालकाय होर्डिंग अवैध रूप से था, लेकिन किसी को 'नजर' नहीं आ रहा था। जब यह गिर गया और उसमें कई लोगों की जान चली गई तो सरकारी तंत्र ने उससे अपना पल्ला झाड़ लिया। होर्डिंग लगवाने वाला तो गिरफ्तार हो गया, इसी तरह गेम जोन एवं बेबी केयर अस्पताल के मालिक भी सलाखों के पीछे आ गये, लेकिन नगर निकाय एवं सरकार के किसी अधिकारी-कर्मचारी को गिरफ्तार करने की आवश्यकता नहीं समझी गई। कोई नहीं जानता कि क्यों? दिल्ली के ग्यारह सौ से अधिक अस्पतालों में मात्र 190 के पास एनओसी है, यह प्रशासन तले अंधेरा नहीं तो क्या है?

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र एवं एक बड़ी आबादी वाला देश है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि सरकारी तंत्र की लापरवाही एवं भ्रष्टता से रह-रहकर हादसे होते रहें और उनमें बड़ी संख्या में लोग मरते रहें। दुर्भाग्य से अपने देश में यही हो रहा है। जब कोई बड़ी घटना घट जाती है और उसमें अधिक संख्या में लोग मारे जाते हैं तो शोक संवेदनाओं का तांता लग जाता है और तत्काल कार्रवाई करने के नाम पर उच्चस्तरीय जांच के आदेश दे दिए जाते हैं, लेकिन कुछ समय बाद उन्हीं कारणों से वैसी ही घटना फिर सामने आती है, जैसी पहले हो चुकी होती है, इसका मतलब प्रशासन अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह ठीक से नहीं कर रहा है और व्यवसायी प्रशासन की इन्हीं कमजोरियों का फायदा उठाते हुए मौत के सौदागर बने रहते हैं। यही कारण है कि न तो हादसे कम हो रहे हैं और न ही उनमें जान गंवाने वालों की संख्या में कमी आ रही है। हादसे दुनिया में हर कहीं होते हैं, लेकिन विकसित और विकासशील देश कम से कम उनसे सबक लेते हैं और ऐसी व्यवस्था करते हैं, जिससे बार-बार एक जैसे कारणों से हादसे न हों।

लोकतंत्र एक पवित्र प्रणाली है। पवित्रता ही इसकी ताकत है। इसे पवित्रता से चलाना पड़ता है। अपवित्रता से यह कमजोर हो जाती है। ठीक इसी प्रकार अपराध के पैर कमजोर होते हैं। पर अच्छे आदमी की चुप्पी उसके पैर बन जाती है। अपराध, भ्रष्टाचार अंधेरे में दौड़ते हैं। रोशनी में लड़खड़ाकर गिर जाते हैं। हमें रोशनी बनना होगा और रोशनी भ्रष्टता एवं घोटालों से प्राप्त नहीं होती। भारत में कोई सबक सीखने को तैयार नहीं है, और यही कारण है कि विकसित देश बनने के संकल्प को साकार करना कहीं अधिक कठिन दिख रहा है। अपने देश में हर तरह के नियम-कानून हैं, राजनेताओं के बड़े-बड़े संकल्प भी है, लेकिन उनके उल्लंघन की जैसी सुविधा यहां है, वैसी शायद ही किसी विकासशील और विकसित राष्ट्र का स्वप्न देखने वाले देश में हो। भारत में लोग किस कदर कदम-कदम पर नियम-कानूनों का धडल्ले के साथ उल्लंघन करते हैं और सरकारी तंत्र में बैठे लोग उनकी मदद करने या फिर उनके अपराध को ढकने के लिए तैयार रहते हैं, इसका शर्मनाक एवं दर्दनाक उदाहरण पुणे का कार हादसा भी है। आज यह स्वीकारते कठिनाई हो रही है कि देश की कानून एवं व्यवस्था को सम्भालने वाले सभी हाथ दागदार हो गए हैं। इस मनःस्थिति के पीछे अलग-अलग कारण हो सकते हैं। दिन-प्रतिदिन जो सुनने और देखने में आ रहा है, वह पूर्ण असत्य भी नहीं है। पर हां, यह किसी ने भी नहीं सोचा कि जो हाथ प्रशासन, कानून एवं सुरक्षा की बागडोर सम्भाले हुए थे, क्या वे सब बागडोर छोड़कर अपनी जेब सम्भाल लेंगे?

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

अहिल्याबाई होलकर को कहा जाता था लोकमाता

महारानी अहिल्याबाई का जन्म 31 मई को हुआ था। वह प्रसिद्ध सूबेदार मल्हारराव होलकर के पुत्र खंडेराव की पत्नी थीं। हालांकि वह किसी बड़े राज्य की महारानी नहीं थी, उनका कार्यक्षेत्र भी सीमित था। लेकिन इसके बाद भी उन्होंने जो कार्य किए वह सराहनीय थे। कई लोगों उन्होंने कई आक्रमणों से मालवा की रक्षा की। साथ ही अहिल्याबाई को उनके सामाजिक कार्यों के बारे में भी जाना जाता है। उन्हें 'मातोश्री' भी कहा जाता है। तो आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर अहिल्याबाई होलकर के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में।

महाराष्ट्र के अहमदनगर के छौंड़ी ग्राम में 31 मई 1725 को अहिल्याबाई होलकर का जन्म हुआ था। उनके पिता का नाम मंकोजी राव शिंदे था, जोकि अपने गांव के पाटिल थे। उस दौरान जब महिलाओं की शिक्षा को महत्व नहीं दिया जाता था और महिलाएं स्कूल नहीं जाती थीं, तब अहिल्याबाई के पिता ने उनको पढ़ने-लिखने योग्य बनाया।

बता दें कि 1754 के कुम्भेर युद्ध में अहिल्याबाई के पति खांडेराव होलकर शहीद हो गए। वहीं पति की मृत्यु के 12 साल बाद ससुर मल्हार राव होलकर की मृत्यु हो गई। पहले पति और फिर ससुर की मृत्यु के एक साल बाद अहिल्याबाई को मालवा साम्राज्य की महारानी बनाया गया। उन्होंने मुस्लिम आक्रमणकारियों से हमेशा अपने साम्राज्य को बचाने का प्रयास किया।

अहिल्याबाई खुद युद्ध में शामिल होकर सेना का नेतृत्व करती थीं।

अहिल्याबाई होलकर ने तमाम धार्मिक स्थलों का निर्माण कराया। उन्होंने सोमनाथ में शिवजी का मंदिर बनवाने के साथ ही बहुत से लोगों के रहने के लिए धर्मशालाओं का निर्माण कराया। यह सभी धर्मशालाएं तीर्थस्थानों जैसे- काशी विश्वनाथ, गुजरात, विष्णु पद मंदिर, बैजनाथ, उज्जैन, नासिक और वाराणसी के गंगा घाट के आसपास बनवाई। बता दें कि उस समय मुस्लिम आक्रमणकारी मंदिरों को ध्वस्त कर देते थे, इसी को देखते हुए अहिल्याबाई ने सोमनाथ में शिवजी का मंदिर बनवाया।

रानी अहिल्याबाई ने सत्ता संभालने के बाद महेश्वर को अपनी राजधानी बनाई। उन्होंने महेश्वर में 18वीं सदी का बेहतरीन और आलीशान अहिल्या महल बनवाया। यह महल नर्मदा नदी के किनारे पर बना है। इस महल के इर्द-गिर्द बनी राजधानी की टेक्सटाइल इंडस्ट्री पहचान बनीं। उस दौरान यह जगह मूर्तिकला, संगीत, साहित्य और कला के क्षेत्र में एक गढ़ बन चुका था।

रानी होलकर का मानना था कि धन प्रजा और ईश्वर की धरोहर है। इसलिए उन्होंने अपने कार्यकाल में घाट बंधवाए, कुंओं और बावड़ियों का निर्माण करवाया, भूखों के लिए अन्नक्षेत्र खोले, प्यासों के लिए प्याऊ आदि बनवाए। वहीं 13 अगस्त 1795 को 70 साल की उम्र में अहिल्याबाई होलकर का निधन हो गया था।

- फीचर डेस्क

राशिफल

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष : एकादशी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
थोड़ा बचकर पार करें। समय प्रतिकूल है। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। वाहन धीरे चलाएं। प्रेम, संतान का साथ है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
शत्रु मित्रवत व्यवहार करने की कोशिश करेंगे। स्वास्थ्य ठीक है, प्रेम, संतान अच्छा और व्यापार भी अच्छा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
व्यवसायिक रूप से भी बहुत अच्छा समय रहेगा। कुल मिलाकर के एक शानदार समय कहा जाएगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
आनंददायक जीवन गुजरेगा। नौकरी-चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। व्यापारिक स्थिति बहुत अच्छी होगी।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
थोड़ा डिस्टर्बेंस के साथ जीवन चलेगा लेकिन जीत आपकी होगी। स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम, संतान अच्छा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भावुक मन से लिया गया निर्णय नुकसान करेगा। स्वास्थ्य थोड़ा सा मध्यम कहा जाएगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा इसलिए कलहकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है। कोई नए व्यापार या किसी नए प्रारंभ की स्थिति दिख रही है। स्वास्थ्य अच्छा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
कुटुंब में वृद्धि होगी। जुबान पर नियंत्रण रखिएगा। स्वास्थ्य ठीक है, प्रेम संतान मध्यम है, व्यापार अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नवीन स्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य, प्रेम और व्यापार अच्छा दिख रहा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
सितारों की तरह चमकेंगे। जो जरुरत की वस्तु होगी या जिस चीज की अभिलाषा होगी उसकी पूर्ति होगी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। यात्रा का योग बनेगा।

जंतर-मंतर पर ट्रेड यूनियन का प्रदर्शन

नई दिल्ली/ग्रेटर नोएडा।
फिलीस्तीनी जनता के इजराइली जनसंहार के विरोध में नई दिल्ली जंतर-मंतर पर सैकड़ों की संख्या में छात्र, नौजवान, महिला, ट्रेड यूनियन के साथियों ने प्रदर्शन में भाग लिया। यह कार्यक्रम फिलिस्तीनी एकजुटता कमेटी के बैनर तले जंतर-मंतर, नई दिल्ली पर आयोजित किया गया। विरोध प्रदर्शन का संचालन अनुराग सक्सेना ने किया और निम्न वक्ताओं ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया। कार्यक्रम में गंगेश्वर दत्त शर्मा, रामसागर के नेतृत्व में नोएडा से भी दर्जनों सीटू/सीपीआई (एम) कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। आने वाले लोक सभा चुनाव के परिणाम के बाद इस विषय पर और बड़े प्रदर्शन किए जाएंगे।

भारतीय किसान यूनियन बलराज संगठन के बैनर तले अनिश्चित कालीन धरना सेक्टर-142 नोएडा शहदरा गांव में 110वे दिन भी जारी रहा।

फूलपुर में पर्यावरण सरंक्षण की शपथ दिलायी

प्रयागराज (ब्यूरो)। वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया के नेतृत्व में इफको घियानगर फूलपुर में पर्यावरण सरंक्षण की शपथ दिलायी गई तथा जन समुदाय में पार्यावरण संरक्षण की भावना जागृत करने के उद्देश से इफको कालोनी में जगरूकता रैली रन फॉर इनवायरमेंट निकाली गई जिसे विनीता कुदेशिया ने हरी झंडी दिखाकर व फीता काटकर रवाना किया।

पर्यावरण के प्रति जागरूकता वाले पोस्टर, बैनर एवं नारे के साथ जागरूकता मार्च निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में इफको कर्मचारी, महिलाएं एवं बच्चे शामिल हुए। इसके पश्चात इफको कालोनी में वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक संजय कुदेशिया के साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने वृहद वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम का समन्वय वरिष्ठ प्रबंधक ई.पी.सी. उमेश कुमार शुक्ल ने किया।

इस दौरान महाप्रबंधक संजय वैश्य, एम.डी. मिश्र, संयुक्त महाप्रबंधक डॉ अनिता मिश्रा, पी.के.सिंह, संजय भंडारी, पी.के.पटेल, रत्नेश कुमार, अरूण कुमार, ए.के.गुप्ता, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के महामंत्री स्वयं प्रकाश, मनोज तिवारी (ई.पी.सी.) एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी, अधिकारी, महिलाएं एवं बच्चे जागरूकता रैली व वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए।

ग्रेटर नोएडा में नाले से मिला 7 माह के बच्चे का शव

ग्रेटर नोएडा। थाना दादरी क्षेत्र के कटेहरा रोड के पास एक नाले में एक सात माह के बच्चे का शव मिला है। शव मिलने से ग्रेटर नोएडा शहर में सनसनी फैल गई है। ग्रेटर नोएडा पुलिस मामले की जांच कर रही है। ग्रेटर नोएडा पुलिस ने बच्चे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ग्रेटर नोएडा के थाना दादरी क्षेत्र के कटेहरा गांव के पास से एक नाला बहता है। शुक्रवार की शाम को नाले के पास से गुजर रहे लोगों ने देखा कि नाले में एक बच्चे का शव पड़ा हुआ है। स्थानीय लोगों ने पुलिस को नाले में शव मिलने की सूचना दी। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने शव को नाले से बाहर निकाला।

मासूम बच्चे की हत्या को लेकर लोग कई तरह की चर्चा कर रहे हैं। बच्चे की हत्या कर शव को नाले में फेंका गया। वहीं कुछ लोग कह रहे हैं की बीमारी से बच्चे की मौत के बाद किसी ने उसे नाले में फेंक दिया। कई लोगों का यह भी मानना है कि अवैध संबंधों के चलते इस मासूम बच्चे की हत्या कर नाले में फेंका गया।

ग्रेटर नोएडा के थाना दादरी के प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौत की सही वजह रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि बच्चे की उम्र लगभग 7 माह का है। मासूम बच्चे की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

पूरी-सब्जी वाले के दुकान पर 10 घंटे तक छापा, लाखों की टैक्स चोरी

गाजियाबाद । पूरी-सब्जी वाले की दुकान पर राज्यकर विभाग ने छापा मारा है। जिसमें टीम को 17.85 लाख की टैक्स चोरी पकड़ी गई है। दुकान पर राज्यकर द्वारा मारे गए छापे में और भी कई जानकारी सामने आई है।

दिल्ली से सटे एनसीआर के गाजियाबाद के मालीवाड़ा चौक पर सैंया जी पूरी-सब्जी वाले की फेमस दुकान है। गुरुवार को यूपी राज्यकर विभाग की टीम ने टैक्स चोरी को लेकर दुकान और घर पर छापा मारा। इस दौरान छापे में 17.85 लाख रुपये की टैक्स चोरी पकड़ी गई है। इस छापे के लिए जीएसटी टीम को करीब एक महीने लग गए। इसके लिए टीम द्वारा एआई टूल्स का भी इस्तेमाल किया गया।

इस छापेमारी को लेकर जीएसटी विभाग के अपर आयुक्त दिनेश मिश्रा ने बताया कि टीम द्वारा कंपाउंड स्कीम की जांच के लिए एसओपी जारी हुआ है। एसओपी के नियमों पर एआई टूल्स का प्रयोग करते हुए जीएसटी टीम ने गाजियाबाद के मालीवाड़ा चौक स्थित सैंया जी पूरी वाले को चिह्नित किया। चिह्नित करने के करीब 1 महीने बाद पाया गया कि सैंया जी पूरी वाले एसओपी स्कीम के मानको पर सही नहीं हैं।

गाजियाबाद के फेमस सैंया जी पूरी वाले के यहां पड़े छापा करीब 10 घंटे तक चला। गुरुवार को पड़े छापे में पहले डेटा एनालिसिस में ढेरों कमी पाई गई थी। जिसके बाद एसआईबी द्वारा फर्म पर छापेमारी हुई। जिसके बाद आठ अधिकारियों की टीम ने सैंया जी पूरी सब्जी वाले के यहा छापा मारा। जहां कंपाउंड स्कीम की आड़ में दुकानदार कम टैक्स दे रहा था। छापेमारी के बाद जब सभी आंकड़ों को मिलाया गया तो पता चला कि 17.85 लाख रुपये की टैक्स चोरी पकड़ी गई।

इफको में विदाई समारोह का हुआ आयोजन

प्रयागराज (ब्यूरो)। इफको फूलपुर इकाई से सेवानिवृत्त हुए अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव उपमहाप्रबंधक (यूरिया) एवं रामेश्वर मिश्र प्रबंधक (भण्डार) के सम्मान में भव्य विदाई समारोह का आयोजन इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के द्वारा किया गया। जिसमें सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों ने इफको से जुड़ी पुरानी यादें ताजा की तथा अपनी यहाँ तक की यात्रा के बारे में विस्तार से बताया।

वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया ने अपने संदेश में सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों के स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

इस दौरान महाप्रबंधक संजय वैश्य, ए.पी.राजेन्द्रन, संयुक्त महाप्रबंधक संजय भंडारी, अरवेन्द्र कुमार, ए.के.गुप्ता, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयं प्रकाश तथा इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

पीजी में चोरी करने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार

नोएडा। थाना सेक्टर-126 पुलिस ने घरों में चोरी करने वाले शातिर गैंग के दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया, उनके कब्जे से विभिन्न जगह से चोरी के 7 लैपटॉप, 19 मोबाइल फोन, 1 स्मार्ट वाच, 6 लैपटाप चार्जर, 2 ईयर बड्स, चोरी की घटनाओं मैं प्रयोग की जा रही एक चोरी की मोटरसाइकिल व अवैध हथियार बरामद किया।

डीसीपी नोएडा विद्यासागर मिश्रा ने बताया कि थाना सेक्टर 126 पर वादिया हाल निवासी पी.जी. रायपुर सेक्टर-126 नोएडा द्वारा थाना स्थानीय पर सूचना दी गई कि अज्ञात चोरों द्वारा 24 मई को सुबह उनके पीजी स्थित रूम से लैपटॉप व मोबाइल फोन चोरी कर ले गये।

इसके अलावा उनके पड़ोस में रहने वाली उनकी महिला साथियों के भी लैपटॉप व मोबाइल फोन चोरी कर ले गये। उक्त सूचना को थाना सेक्टर-126 के थाना प्रभारी ने गंभीरता से लेते हुए मुकदमा दर्ज कर अभियुक्तों की तलाश शुरू की। डीसीपी ने उपरोक्त घटना के शीघ्र अनावरण हेतु पुलिस टीम का गठन किया गया था। जिसके द्वारा विवेचनात्मक कार्रवाई के दौरान करीब 80-90 सी.सी.टी.वी कैमरों की फुटेज का अवलोकन करते हुए अभियुक्तों की पहचान की गई। पुलिस ने 1 जून को गोपनीय सूचना व इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की सहायता से थाना क्षेत्र के पुश्ता रोड रायपुर गाँव के सामने से चोरी की मोटरसाइकिल हीरो स्पेलेन्डर प्लस बिना नंबर प्लेट पर सवार दो अभियुक्त गिरफ्तार किया। उन्होंने पकड़े गए शातिर चोरों के नाम मो. इमरान पुत्र निजामुद्दीन, सुशील कुमार उर्फ टेरा पुत्र विष्णु को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तों के कब्जे से थाना सेक्टर-126 पुलिस ने 2 लैपटॉप व 3 मोबाइल फोन व अन्य थाना क्षेत्रों की घटनायों से संबंधित 5 लैपटाप, 16 विभिन्न कंपनीयों के मोबाइल फोन, 1 स्मार्ट वाच, 2 ईयरबड्स, 6 लैपटॉप चार्जर, 2 मोबाइल चार्जर आदि एवं 2 अवैध तमंचे बरामद किया। एसीपी प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्त में आए बदमाश अप्रैल, मई, जून और जुलाई में सबसे ज्यादा वारदात करते थे। पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि रात के समय कुछ लोग गर्मी के कारण अपने पीजी व अन्य किराये के कमरों को खोलकर सोते हैं। दोनों बदमाश रात दो बजे से सुबह छह बजे के बीच अधिकांश घटनाएं करते थे।

गोल्ड बॉन्ड में 27,000 करोड़ निवेश

44.34 टन सोना खरीदने का अनुबंध

मुंबई/दिल्ली। निवेशकों ने वित्त वर्ष 2023-24 में सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के जरिए 44.34 टन सोना खरीदने का अनुबंध किया और इनमें कुल 27,000 करोड़ रु. का निवेश किया। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की एक रिपोर्ट में दी गयी है।

पिछले वित्त वर्ष में सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश चार गुना से भी अधिक है। वर्ष 2022-23 में कुल 12.26 टन सोने के बराबर के 6,551 करोड़ रु. मूल्य के सरकारी स्वर्ण बांड बिके थे। रिपोर्ट के अनुसार 31 मार्च 2024 को समाप्त पिछले वित्त वर्ष में 27,031 करोड़ रु. के बॉन्ड खरीदे थे जिनमें निवेशकों के साथ 44.34 टन सोने की बिक्री का अनुबंध किया गया है। रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि वर्ष 2023-24 के दौरान जुटाई गई कुल राशि 27,031 करोड़ रु. (44.34 टन) थी। मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष के दौरान, बांड चार किस्तों में जारी किए गए थे।

लगभग 14 प्रतिशत की बढ़त: वित्तीय सेवा कंपनी मोतीलाल फाइनेंशियल सर्विसेज लि (एमओएफएसल) ने अपनी एक हालिया रिपोर्ट में कहा है कि सोने की कीमतें इस वर्ष की शुरुआत में स्थिर लग रही थीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि उसके बाद से अब तक इस वर्ष कीमतों में तेजी से वृद्धि दर्ज की गयी है और इस साल अब तक लगभग 14 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गयी है। इसके मुकाबले चांदी के भाव इस साल 27 प्रतिशत तक चढ़ चुके हैं।

बीच में भी भुनाया जा सकता है

रिजर्व बैंक सरकार की ओर से इन बॉन्ड को रिजर्व बैंक के माध्यम से जारी करता है। रिजर्व बैंक इन्हें वाणिज्यिक बैंकों की चिह्नित शाखाओं के माध्यम से जारी करता है। आठ साल की परिपक्वता अवधि के इन बॉन्ड को कुछ शर्तों के साथ बीच में भी भुनाया जा सकता है। इस पर निवेशकों को निवेश राशि पर एक सूक्ष्म वार्षिक ब्याज भी दिया जाता है। निवेशक परिपक्वता पर सोने के मानक बाजार मूल्य के बराबर राशि या सोने में अपना धन प्राप्त कर सकते हैं।

एवीजी लॉजिस्टिक्स के लाभ में वृद्धि

एजेंसी ,मुंबई। एवीजी लॉजिस्टिक्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 24 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। कंपनी की कुल आय 147.10 करोड़ पिछले वित्तीय वर्ष में 114.55 करोड़ थी जो कि अब बढ़ी 28.42%।

कर बाद लाभ वर्ष24 में 22.88 करोड़, वर्ष23 में 11.08 करोड़ रही, जो कि बढ़कर 106.56% रही। वार्षिक कुल आय 491.07 करोड़, वर्ष23 में 429.90 करोड़ रही जो कि बढ़कर 14.23%। वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही में अन्य आय (कर पूर्ण लाभ स्तर पर) में 13.94 करोड़ के अपवादात्मक आइटम और 7.02 करोड़ की वन ऑफ आय का समावेश है।

जीएसटी राजस्व 1.73 लाख करोड़

एजेंसी ,नई दिल्ली। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह चालू वित्त वर्ष के दूसरे महीने मई में 1.73 लाख करोड़ रुपए रहा है जो पिछले वित्त वर्ष में इसी महीने में संग्रहित 157090 करोड़ रुपए की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीने अप्रैल मई में कुल मिलाकर जीएसटी राजस्व संग्रह 3.83 लाख करोड़ रुपए रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में संग्रहित राजस्व की तुलना में 11.3 प्रतिशत अधिक है। अप्रैल 2024 में पहली बार जीएसटी संग्रह रिकॉर्ड दो लाख करोड़ को पार करते हुए 210267 करोड़ रुपए पर पहुंच गया जो अप्रैल 2023 के 187035 करोड़ रुपए की तुलना में 12.4 प्रतिशत अधिक था।

शुद्ध संग्रह से 6.9% अधिक : वित्त मंत्रालय ने मासिक जीएसटी संग्रह के आंकड़े जारी किए जिसके अनुसार रिफंड के बाद अप्रैल 2024 में शुद्ध जीएसटी राजस्व संग्रह 1.44 लाख करोड़ रुपए रहा है जो मई 2023 के शुद्ध संग्रह से 6.9 प्रतिशत अधिक है।

आयात और क्षतिपूर्ति शामिल: जीएसटी के आंकड़ों के अनुसार मई 2024 में कुल जीएसटी संग्रह 172739 करोड़ रुपये रहा है। इसमें सीजीटी 32409 करोड़ रु., एसजीएसटी 40265 करोड़ रु., आईजीएसटी 87781 करोड़ रु. है, जिसमें आयात पर संग्रहित 39879 करोड़ रु. भी शामिल है। इसके साथ ही जीएसटी क्षतिपूर्ति कर के तौर पर 12284 करोड़ रुपए, जिसमें आयात पर संग्रहित 1076 करोड़ रुपए भी शामिल है। नियमित निपटान किया गया सरकार ने नियमित निपटान के तहत आईजीएसटी में से सीजीएसटी में 38519 करोड़ रुपए और एसजीएसटी में 32733 करोड़ रुपये दिये है। इस तरह से कुल सीजएसटी 70928 करोड़ रुपए और एसजीएसटी 72999 करोड़ रुपए रहा है।

बिरला सीमेंट ने पशु-पक्षियों के बचाव के लिए सहयोग किया

एजेंसी चित्तौड़गढ़। जैसा कि हम जानते हैं कि पिछले दो महीनों से पूरा भारत भीषण गर्मी का सामना कर रहा है, वहीं राजस्थान के कुछ जिलों में अधिकतम तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। बढ़ते तापमान के साथ, न केवल मानव बल्कि पशु-पक्षी भी इस भीषण गर्मी में अपनी जान गंवा रहे हैं। इस भीषण गर्मी को देखते हुए, बिरला सीमेंट वर्क्स द्वारा चित्तौड़गढ़ कलेक्टर के आह्वन पर पशु-पक्षियों को पानी उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाये। इसी क्रम में 31 मई 2024 को बिरला सीमेंट के माधव नगर परिसर में इस अभियान की शुरुआत जिला उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के राहुल देव सिंह, उप.आयुक्त एंव मोहित सिंह शेखावतए महाप्रंबधक के हाथों से परिंडे को पेड़ों पर बांध, उनमें पानी एंव दाना डालकर किया गया। साथ ही, बिरला सीमेंट वर्क्स के यूनिट हैड देवेश कुमार मिश्रा एंव एचआर हैड प्रदीप कुमार सिंह के हाथों पक्षियों के लिए 250 परिंडे और पशुओं के पानी पीने के लिए 50 सीमेंटेड टंकी का वितरण किया गया। जिन्हें बिरला सीमेंट की कॉलोनी व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में दिया जाएगा। यूनिट हैड देवेश कुमार मिश्रा ने कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुए प्लांट परिसर और आस-पास के गांवों में परिंडे और बड़े जानवरों के लिए प्याऊ की व्यवस्था कर दी गयी है, जिससे बेजुबान पशु-पक्षियों को इस भीषण गर्मी में बचाया जा सके।

चुनाव नतीजों से पहले एफआईआई ने की 25,600 करोड़ रु. की बिकवाली

एजेंसी ,मुंबई। शेयर मार्केट में लोकसभा चुनाव परिणाम से पहले उथल पुथल जारी है और इलेक्शन रिजल्ट आने से पहले यह मार्केट वॉलिटिलिटी जारी रहेगी। लोकसभा चुनाव के नतीजे 04 जून को आने वाले हैं। इससे पहले शेयर मार्केट में उथल पुथल जारी है। चुनाव परिणाम से पहले विदेशी संस्थागत निवेशक याने एफआईआई ने जमकर बिकवाली की है। एफआईआई ने पिछले महीने करीब 25,600 करोड़ रुपए के भारतीय शेयर बेचकर एफआईआई ने वॉल स्ट्रीट की पुरानी कहावत मई में बेचो और चले जाओ, इन का पालन किया।

नेट शॉर्ट पोजीशन कॉन्ट्रैक्ट बढ़े : एफआईआई ने इंडेक्स फ्यूचर्स में अपनी नेट शॉर्ट पोजीशन को 29 मई के 5,000 कॉन्ट्रैक्ट से बढ़ाकर 31 मई को 3.18 लाख कर दिया है।

बिकवाली और चीनी शेयरों में खरीदारी : जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के चीफ इनवेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट वीके विजयकुमार ने कहा कि एफपीआई की सेलिंग का मुख्य कारण चाइनीज शेयरों का बेहतर प्रदर्शन रहा है। मई के पहले पखवाड़े में हैंग सेंग इंडेक्स में 8% की उछाल आई, जिससे भारत में बिकवाली और चीनी शेयरों में खरीदारी हुई।

बिकवाली की और बॉन्ड में पैसा लगाया: दूसरा कारण अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में उछाल रहा। जब भी अमेरिका के 10 साल के बॉन्ड यील्ड में 4.5% से ऊपर की बढ़ोतरी हुई तो एफपीआई ने भारत जैसे उभरते बाजारों में बिकवाली की और बॉन्ड में पैसा लगाया।

स्थिरता से खरीदारी बढ़ेगी : एफआईआई की बिकवाली को अपेक्षाकृत हाई वैल्यूएशन और कमजोर आय के लिए भी जिम्मेदार ठहराया जा रहा है, खासकर वित्तीय और आईटी सेक्टर में जहां विदेशी निवेशकों का हाई एलोकेशन है। जून में एफआईआई गतिविधि 4 जून को घोषित होने वाले चुनाव परिणामों और उस पर बाजार की रिस्पॉन्स से महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित होगी। यदि चुनाव परिणामों से राजनीतिक स्थिरता सुनिश्चित होती है तो एफआईआई के खरीदार बनने की संभावना है।

अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण : वाटरफील्ड एडवाइजर्स के सूचीबद्ध निवेश निदेशक विपुल भोवार ने कहा कि मजबूत जीडीपी वृद्धि, नियंत्रित मुद्रास्फीति, राजनीतिक स्थिरता और आरबीआई द्वारा मौद्रिक नीति को सख्त करने की उम्मीद भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण बनाती है, जो मई में उनकी नेट सेलिंग से बदलाव को दर्शाती है।

बिग एंड ऑफ सीजन सेल शुरू

एजेंसी ,बेंगलुरु। फ्लिपकार्ट ने अपनी बहुप्रतीक्षित बिग एंड ऑफ सीजन सेल शनिवार से शुरू करने की घोषणा की है। फैशन के सबसे बड़े उत्सव में से एक का मंच तैयार करने के साथ ही ग्राहकों को ट्रेंडी स्टाइल्स, प्रीमियम ब्रांड्स और आकर्षक जेन जेड पेशकशों की एक विस्तृत श्रृंखला ऑफर करेगी, जो स्पॉयल पर तैयार की गई है और पूरे भारत में हर पिन कोड पर जहां इसकी सेवा उपलब्ध हैए इसकी आपूर्ति की जाएगी। फ्लिपकार्ट 2024 में 12,000 से अधिक ब्रांड्स और 2 लाख से ज्यादा विक्रेताओं के विकल्प उपलब्ध होंगे। एक लाख से ज्यादा उत्पादों पर ऑर्डर बुक करने के दिन ही डिलिवरी की सुविधा उपलब्ध होगी। फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध ब्रांड्स की विस्तृत श्रृंखला में प्यूमा, एडिडासए नाइकी, टॉमी हिलफिगर, फॉसिल, टाइटन, क्रॉक्स, यूसीबीए वेरो मोडा, ओनली, डब्ल्यू, यूएसपीएए ऐरो, अमेरिकन टूरिस्टर, पीटर इंग्लैंड के स्टोइलिश उत्पादों जैसे कुछ लोकप्रिय विकल्प शामिल हैं।

टेम्बो ग्लोबल इण्डस्ट्रीज का शानदार प्रदर्शन

एजेंसी ,नई दिल्ली। टेम्बो ग्लोबल इण्डस्ट्रीज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के दौरान शानदार प्रदर्शन किया है स्टैंडअलोन परफॉरमेंस के आधार पर कंपनी की परिचालन से आय 31 मार्च2024 को समाप्त तिमाही के लिए 13,051.73 लाख रुपए दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में पर्याप्त वृद्धि को दर्शाती है। सतत परिचालन से लाभ इस तिमाही के लिए 422.32 लाख रुपए रहा, जो उल्लेखनीय वृद्धि और परिचालन दक्षता को दर्शाता है।

कंसोलिडेटेड परफॉरमेंस के आधार पर कंपनी की परिचालन से आय 31 मार्चए 2024 को समाप्त वर्ष के लिए 43,207.85 लाख रुपए तक पहुंच गई, जो राजस्व धाराओं में उल्लेखनीय विस्तार का संकेत है। वर्ष के लिए लाभ बढ़कर 1,420.78 लाख रुपए हो गया, जो कम्पनी की लगातार लाभप्रदता और मूल्य सृजन प्रदान करने की क्षमता दर्शाता है। अर्निंग पर शेयर (ईपीएस) आलोच्य वर्ष के लिए मूल ईपीएस 12.70 रुपए थाए और डायल्यूटेड ईपीएस 10.46 रु. था, जो स्ट्रॉग फायनेशियल फण्डामेटल्स और विकास की संभावनाओं को दर्शाता है। कंपनी एमडी संजय पटेल ने कहा कि टेम्बो ग्लोबल इण्डस्ट्रीज लिमिटेड में, परिचालन से हमारी आय बढ़कर 43,207.85 लाख रुपए हो गई।

मोतीसंस ज्वैलर्स का मुनाफा बढ़ा

जयपुर। मोतीसंस ज्वैलर्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 24 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की रिपोर्ट दी है। वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही में कुल आय 29.03% वार्षिक बढ़कर 117.00 करोड़ हुई। कर बाद लाभ 257.88% वार्षिक बढ़कर 10.77 करोड़ हुआ। वित्त वर्ष24 में कुल आय 13.73% वार्षिक बढ़कर 417.18 करोड़ हुई। कर बाद लाभ 45.21% वार्षिक बढ़कर 32.20 करोड़ हुआ।

मेरी लक्ष्मी की शादी में आइयेगा जरूर

मंगल लक्ष्मी हर दिन रात 9:00 बजे केवल कलर्स पर प्रसारित होता है

दीपिका सिंह (मंगल) सानिका अमित (लक्ष्मी) और नमन शॉ (आदित) की प्रमुख भूमिकाओं में

एजेंसी मुंबई। सदियों से, महिलाओं ने चुपचाप परीक्षणों का भार उठाया है और युवा पीढ़ी की महिलाओं को लचीलापन और धैर्य का पाठ पढ़ाया है। शादी में सम्मान की कमी बर्दाश्त करने के दुष्चक्र को चुनौती देता कलर्स का हाल ही में लॉंच हुआ शो 'मंगल लक्ष्मी' है। दिल्ली में स्थापित, मंगल लक्ष्मी प्यार और त्याग की एक दिल छू लेने वाली कहानी है, जिसमें दो बहनों की यात्रा को दर्शाया गया है, जो एक-दूसरे के प्रति सम्मान का दावा करती हैं। मंगल हर भारतीय महिला का प्रतीक है जो अपने परिवार, विशेषकर अपनी बहन से बेहद प्यार करते हुए अपने घरेलू कर्तव्यों का निर्वाह करती है। वह अपनी छोटी बहन, लक्ष्मी के लिए सम्मान पर आधारित एक बेहतर जीवन की राह पर प्रकाश डालने के मिशन पर है। इस बीच, लक्ष्मी भी अपनी बड़ी बहन का लगातार समर्थन करती रहेंगी।

लक्ष्मी के लिए पूर्ण नारायण मिले

अंततः देवताओं ने मंगल की प्रार्थनाओं का उत्तर दिया और उसकी लंबे समय से चली आ रही खोज अब खत्म हो गई है क्योंकि उसे कार्तिक में अपनी प्यारी लक्ष्मी के लिए पूर्ण नारायण मिल गया है। उसके पास वे गुण हैं जिनकी तलाश मंगल ने अथक रूप से दया और सम्मान के लिए की थी। मंगल ने पहले ही लक्ष्मी की शादी की तैयारियों की आनंदमय यात्रा शुरू कर दी है।

चुनौतियों का सामना करना पड़ा

लक्ष्मी की शादी और मंगल की अपने परिवार के प्रति जिम्मेदारी के संबंध में मंगल को अपने पति और परिवार की अपेक्षाओं दोनों से चुनौतियों का सामना करना पड़ा। आर्थिक रूप से, उसने अपनी क्षमता से कहीं अधिक बोझ उठाया, यह सुनिश्चित करने के लिए कि उसकी बहन का सपना सामाजिक अपेक्षाओं के समुद्र में न डूब जाए।

अपमान का सामना करना पड़ा

उसने अपने पति द्वारा लगाए गए चोरी के आरोपों को झेला, उसे अपने ससुराल वालों के साथ खड़ा होना पड़ा और अपमान का सामना करना पड़ा, एक कीमत जो उसने अपनी बहन की खुशी के लिए चुकाई। फिर भी, मंगल इस सबके बावजूद डटा रहा।

सम्मान और खुशी से भरा भविष्य

अपनी बहन के प्रति अटूट प्रेम से प्रेरित होकर, उसने आंतरिक रूप से अपनी कठिनाइयों से जूझते हुए और बाहरी रूप से पारिवारिक दबावों से जूझते हुए एक मूक युद्ध लड़ा यह सब लक्ष्मी को सुरक्षित करने के एकमात्र लक्ष्य के साथ सम्मान और खुशी से भरा भविष्य।

इंस्पायर फिल्म्स के शुद्ध लाभ मार्जिन में 295% वृद्धि

एजेंसी ,मुंबई। इंस्पायर फिल्म्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 24 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। वित्त वर्ष24 में कुल आय 30.44 करोड़ हुई। शुद्ध लाभ 2.57 करोड़ हुआ। शुद्ध लाभ मार्जिन 8.44% हुई। वित्त वर्ष 24 की दूसरी छमाही में कुल आय 9.14 करोड़ हुई। शुद्ध लाभ 1.13 करोड़ हुआ। शुद्ध लाभ मार्जिन 12.36% हुई। इंस्पायर फिल्म्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर यश पटनायक ने कहा कि वित्त वर्ष 24 की प्रथम छमाही में 22-23 की पूर्व छमाही की तुलना में आय और लाभ में इजाफा होने से हमारे प्रदर्शन में सुधार हुआ। बाद की छमाही में लगातार प्रोडक्शन की योजना के साथ हमने सफलतापूर्वक 23-24 के मिड पॉइंट तक अनेक लोकप्रिय शो के कई सीजन किए। यद्यपि बड़े प्लेटफार्म और ब्रॉडकास्ट के बीच चल रही विलय की बातचीत के कारण उद्योग पर अनिश्चित के बादल छाए रहे जिसके चलते हमारे सहित अनेक ग्रीनलिट प्रोजेक्ट को भारी अनिश्चित का सामना करना पड़ा, कुछ में तो 6 महीने से अधिक का विलंब हुआ।

बदलाव लागू हो गए

आधार-पैन लिंक न होने पर अब ज्यादा टैक्स देना होगा

एजेंयी ,नई दिल्ली। जून का महीना कई नए बदलाव लेकर आया है। 19 किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 72 रुपए तक सस्ता हो गया है। वहीं एविएशन टर्बाइन फ्यूल के दाम घटने से हवाई सफर सस्ता हो सकता है। अब ड्राइविंग लाइसेंस के लिए ड्राइविंग टेस्ट प्राइवेट ट्रेनिंग सेंटर या ड्राइविंग स्कूल जाकर दे सकेंगे। पंजाब नेशनल बैंक में जिन अकाउंट में 3 साल से ज्यादा समय से कोई लेनदेन नहीं हुआ है वो अकाउंट आज से बंद हो जाएंगे।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम घटे : ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम 72 रुपए तक घटा दिए हैं।

एटीएफ की कीमत 7,044.95 रु. तक घटी, हवाई सफर सस्ता होगा: ऑइल मार्केटिंग कंपनियों ने महानगरों में एविएशन टर्बाइन फ्यूल एटीएफ की कीमतों को घटाया है। इससे हवाई सफर सस्ता हो सकता है।

आधार पैन लिंक न होने पर देना होगा ज्यादा टैक्स : अगर आपने अपने पैन को आधार से लिंक नहीं कराया है तो आज से ज्यादा टीडीएस कटेगा। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने टैक्सपेयर्स से 31 मई से पहले पैन कार्ड को आधार से लिंक कराने को कहा था। पैन को आधार से लिंक करने पर अभी 1000 रुपए की फीस लग रही है। पैन को आधार से लिंक न करने पर पैन इनऑपरेटिव भी हो जाएगा। हालांकि, जो व्यक्ति एग्जेम्प्टेड कैटेगरी में आते हैं, वे प्रभावित नहीं होंगे।

ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आरटीओ में टेस्ट की जरूरत नहीं : अब ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों आरटीओ में टेस्ट देने की जरूरत नहीं है। आप अपना ड्राइविंग टेस्ट प्राइवेट ट्रेनिंग सेंटर या ड्राइविंग स्कूल जाकर दे सकेंगे। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने ड्राइविंग लाइसेंस नियमों में बदलाव किया है। वहीं अब नाबालिग के गाड़ी चलाते हुए पकड़े जाने पर माता-पिता के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और 25 हजार रु. का जुर्माना लगेगा। इसके अलावा गाड़ी मालिक का रजिस्ट्रेशन कार्ड रद्द कर दिया जाएगा और नाबालिग 25 साल की उम्र तक लाइसेंस के लिए अयोग्य हो जाएगा।

तीन साल से लेनदेन न होने वाले खाते होंगे बंद : अगर आपका बैंक अकाउंट पंजाब नेशनल बैंक में है और आपने 3 साल से ज्यादा समय से उसमें कोई लेनदेन नहीं किया है तो वह अकाउंट बंद हो जाएगा। बैंक ने कहा, ऐसे सभी खाताधारकों को नोटिस दिया जाता है, जिन्होंने 30 अप्रैल 2024 तक 3 साल से अधिक समय से अपना खाता संचालित नहीं किया है और उनके खाते में कोई बैलेंस नहीं है। ये खाते नोटिस की तारीख से एक महीने बाद बंद कर दिए जाएंगे।

बैंक ने यह नोटिस 6 मई को अपने एक्स हैंडल से शेयर किया था। पीएनबी ने कहा यह सुनिश्चित करने के लिए कि इन खातों का दुरुपयोग न हो, बैंक ने ऐसे खातों को बंद करने का निर्णय लिया है।

बैंक ऑफ इंडिया की चैम्पियन फिक्स्ड डिपॉजिट शुरू

एजेंसी ,नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंकों में एक, बैंक ऑफ इंडिया ने '666 दिन चैम्पियन फिक्स्ड डिपॉजिट' लॉंच किया है, जो 2.00 करोड़ रु. से कम की जमा राशियों पर 666 दिनों के लिए अति वरिष्ठ नागरिकों को 7.95% प्रति वर्ष तक की अत्यंत आकर्षक ब्याज दर प्रदान कर रहा है। इस 666 दिन . सावधि जमा पर वरिष्ठ नागरिकों को 7.80% प्रति वर्ष मिलेगा एवं अन्य को 7.30% प्रति वर्ष तक का उच्चतम ब्याज मिलेगा । सभी नागरिक बैंक ऑफ इंडिया की 666 दिन चैम्पियन फिक्स्ड डिपॉजिट खाता खोलकर इस आकर्षक निवेश के अवसर का लाभ उठा सकते हैं। 2.00 करोड़ रुपये से कम की जमा राशि के लिए इच्छुक खुदरा ग्राहकों के लिए यह सावधि जमा, आकर्षक ब्याज के साथ बैंक की सर्वश्रेष्ठ वित्तीय उत्पाद प्रदान करने की प्रतिबद्धता को और भी मजबूत करता है। संशोधित ब्याज दरें रु. में घरेलू, एनआरओ और एनआरई सावधि जमा के लिए लागू हैं जो एक जून2024 से प्रभावी हैं। सावधि जमा पर ऋण और समय पूर्व निकासी की सुविधा उपलब्ध है।

एमजी केबल्स एंड कम्युनिकेशंस लिमिटेड का कम्पनी कानून के तहत कब्जा लिया

जयपुर। एमजी केबल्स एण्ड कम्युनिकेषन्स लिमिटेड (परिसमापन में) की सम्पत्ति भू-खण्ड संख्या 68ए व 68बी, मदरामपुरा, सिविल लाईन्स, जयपुर का राष्ट्रीय कम्पनी कानून न्यायाधिकरण के आदेश के तहत लिया गया कब्जा, परिसमापक कर सकेगा।

इस सम्पत्ति की नीलामी राष्ट्रीय कम्पनी कानून न्यायाधिकरण के द्वारा पारित आदेश दिनांकित 31/01/2024 की पालना में न्यायालय अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, शहर-(दक्षिण) जयपुर के द्वारा जारी आदेश की अनुपालना में स्टेशन हाउस ऑफिसर, पुलिस थाना-सोडाला, जयपुर द्वारा भू-खण्ड संख्या 68ए व 68बी, मदरामपुरा, सिविल लाईन्स, जयपुर का कब्जा परिसमापक को सुपुर्द किया गया। अब परिसमापक कब्जाशुदा सम्पत्ति को नीलाम करवाकर ऋण राशि वसूल करेगा। परिसमापक सत्येन्द्र प्रसाद खोरानियां ने बताया कि जयपुर की एमजी केबल्स एण्ड कम्युनिकेशन्स लिमिटेड की भारतीय दिवाला एवं शोधन अक्षमता कोड 2016 के अन्तर्गत इन्सोल्वेन्सी की प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई थी तथा कम्पनी परिसमापन के अन्तर्गत थी। राष्ट्रीय कम्पनी कानून न्यायाधिकरण के द्वारा आदेश पारित करते हुए उन्हें उक्त कम्पनी मैसर्स एमजी केबल्स एण्ड कम्युनिकेशन्स लिमिटेड में लिक्विडेटर (परिसमापक) के रूप में नियुक्त किया गया था जिसका कार्य कम्पनी की समस्त सम्पत्तियों को भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता कोर्ड (आईबीसी) के प्रावधानों के तहत राष्ट्रीय कम्पनी कानून न्यायाधिकरण की देखरेख में नीलाम कर देनदारों को नियमानुसार वितरित करना होता है।

बैंक द्वारा उक्त कम्पनी को ऋण सुविधा प्रदान की गई थी तथा कम्पनी द्वारा आवश्यक दस्तावेज निष्पादित करते हुए उक्त सम्पत्ति को अन्य सम्पत्तियों के साथ बैंक में बन्धक रखा था। परिसमापक सत्येन्द्र प्रसाद खोरानियां ने यह भी बताया कि राष्ट्रीय कम्पनी कानून न्यायाधिकरण के आदेश के अन्तर्गत उक्त कम्पनी की विभिन्न सम्पत्तियों का पूर्व में कब्जा लिया जाकर बेचान किया जा चुका है। राष्ट्रीय कम्पनी कानून न्यायाधिकरण ने अपने आदेश में न्यायालय अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, शहर-दक्षिण जयपुर को उक्त सम्पत्ति का कब्जा परिसमापक को सुपुर्द करने तथा (1) पुलिस महानिदेशक, राजस्थान (2) पुलिस आयुक्त, जयपुर (3) स्टेशन हाऊस ऑफिसर, पुलिस थाना-सोडाला, जयपुर को आवश्यकतानुसार पुलिस फोर्स उपलब्ध करवाने के लिए आदेशित किया गया।

उपरोक्त आदेश की पालना में स्टेशन हाऊस ऑफिसर, पुलिस थाना-सोडाला, जयपुर ने कार्यवाही करते हुए परिसमापक को नियमानुसार भू-खण्ड संख्या 68ए व 68बी, मदरामपुरा, सिविल लाईन्स, जयपुर का कब्जा सुपुर्द किया गया। अब परिसमापक नियमानुसार उक्त सम्पत्ति की नीलामी कर रकम वसूल करेगा।

अडानी पोर्ट ने तंजानियां का प्रमुख कंटेनर बंदरगाह 30 साल के लिए लिया

वार्षिक माल लादने-उतारने की क्षमता 10 लाख कंटेनर

एजेंसी ,अहमदाबाद/अबू धाबी। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) के पूर्ण स्वामित्व की कंपनी अदानी इंटरनेशनल पोर्ट्स होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (एआईपीएच) ने तंजानिया में दार एस सलाम बंदरगाहर में कंटेनर टर्मिनल-2 के संचालन और प्रबंधन के लिए तंजानिया पोर्ट्स अथॉरिटी के साथ 30 साल के रियायत समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

अडानी पोर्ट्स की एक विज्ञप्ति में शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा गया कि दार एस सलाम पोर्ट एक गेटवे पोर्ट है, जिसमें सड़क और रेलवे का एक अच्छी तरह से जुड़ा हुआ नेटवर्क है। चार बर्थ वाले कंटेनर टर्मिनल 2 की वार्षिक माल लादने-उतारने की क्षमता 10 लाख कंटेन (20फुटे कंटेनर) है। इस टर्मिनल से 2023 में 8.2 लाख कंटेनरों की आवाजाही हुई थी जो तंजानिया में कुल कंटेनर की आवा-जाही का 83 प्रतिशत होने का अनुमान है। ईस्ट अफ्रीका गेटवे लिमिटेड (ईगल) को एआईपीएच, एडी पोर्ट्स ग्रुप और ईस्ट हार्बर टर्मिनल्स लिमिटेड (ईएचटीएल) के संयुक्त उद्यम के रूप में गति किया गया है।

इसमें नियंत्रक शेयरधारिता एडीएसईजेड की होगी और कंपनी ईगल को अपने बहीखातों में जोड़ेगी। ईएजीएल ने हचिसन पोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (और इसकी सहयोगी हचिसन पोर्ट इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड) और हार्बर्स इन्वेस्टमेंट लिमिटेड से तंजानिया इंटरनेशनल कंटेनर टर्मिनल सर्विसेज लिमिटेड (टीआईसीटीएस) में 95 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए 3.95 करोड़ अमरीकी डॉलर के खरीद विचार के लिए एक शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

एपीएसईजेड के प्रबंध निदेशक करण अडानी ने कहा कि दार एस सलाम पोर्ट पर कंटेनर टर्मिनल 2 के लिए समझौता 2030 तक वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े बंदरगाह ऑपरेटरों में से एक बनने की एपीएसईजेड की महत्वाकांक्षा के अनुरूप है। हमें विश्वास है कि बंदरगाहों और रसद में हमारी विशेषज्ञता और नेटवर्क के साथ, हम अपने बंदरगाहों और पूर्वी अफ्रीका के बीच व्यापार की मात्रा और आर्थिक सहयोग बढ़ाने में सक्षम होंगे। हम दार एस सलाम पोर्ट को विश्व स्तरीय बंदरगाह में बदलने का प्रयास करेंगे।

राजस्थान ओलंपिक संघ की विशेष आमसभा की बैठक आज

जयपुर। राजस्थान ओलंपिक संघ की विशेष आमसभा की बैठक रविवार को जयपुर क्लब में होगी। राजस्थान ओलंपिक संघ के चेयरमैन अनिल व्यास ने शनिवार को यहां बताया कि इस बैठक को रोकने के लिए अरुण सारस्वत की ओर से जिला एवं सेशन न्यायालय जयपुर में आर्बिट्रिशन एक्ट के वाद में स्थगन प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था, जिसे न्यायालय ने खारिज कर दिया है। ओलम्पिक संघ की तरफ से एडवोकेट राजेश महर्षि ने न्यायालय के समक्ष वैध तथ्यों को प्रस्तुत किया जिनके आधार पर न्यायालय ने अरुण सारस्वत के स्थगन प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया। व्यास ने बताया कि राज्य ओलम्पिक संघ की बैठक तय समय पर आरओए के अध्यक्ष रामावतार सिंह जाखड़ की अध्यक्षता में होगी। बैठक में राजस्थान ओलम्पिक संघ के संविधान में भारतीय ओलम्पिक संघ के संविधान के अनुसार संशोधन किया जाएगा।

सिंगापुर ओपन के सेमी फाइनल में हारी त्रिशा और गायत्री की जोड़ी

नई दिल्ली। भारत की त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी का सिंगापुर ओपन में स्वप्निल सफर शनिवार को सेमीफाइनल में नामी मातसुयामा और चिहारू शिडा की दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी से सीधे गेम में हार के साथ समाप्त हो गया। इस हार से भारत का बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 750 में भी अभियान खत्म हो गया। गैर वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी की निगाहें शीर्ष 10 खिलाड़ियों पर जीत की हैट्रिक बनाने पर लगी थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता त्रिशा और गायत्री की जोड़ी जापान की खिलाड़ियों के आगे नहीं टिक सकीं जिन्होंने 47 मिनट में 23-21, 21-11 से जीत हासिल की। जापान की जोड़ी ने इस तरह फरवरी में एशिया टीम चैम्पियनशिप में त्रिशा और गायत्री से सेमीफाइनल में मिली हार का बदला चुकता किया। जापान की जोड़ी का भारतीय जोड़ी के खिलाफ जीत का रिकॉर्ड अब 3-1 हो गया है। त्रिशा और गायत्री ने इससे पहले दुनिया की दूसरे नंबर की बाएक हा ना और ली सो ही की जोड़ी को प्री क्वार्टर में और दुनिया की छठे नंबर की किम सो यियोंग और कोंग ही यंग की जोड़ी को क्वार्टर फाइनल में हराया था।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ब्रेडन कार्स पर लगा तीन महीने का बैन

लंदन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ब्रेडन कार्स पर मैचों के दौरान सट्टेबाजी करने के आरोप में तीन माह का बैन लगाया गया है। ब्रेडन हालांकि इंग्लैंड की टी-20 वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन उन पर प्रतिबंध लगना इंग्लैंड क्रिकेट को शर्मसार करने वाली बात है। प्रतिबंध के दौरान ब्रेडन किसी भी फॉर्मेट के किसी भी मैच में हिस्सा नहीं ले सकते हैं। प्रतिबंध के कारण ब्रेडन की टेस्ट डेब्यू की उम्मीदों को झटका लगा है। उन्हें वेस्ट इंडीज के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में डेब्यू का दावेदार माना जा रहा था। खबरों के मुताबिक ब्रेडन कार्स ने पांच साल पहले मैचों पर सट्टा लगाया था। उन्होंने 2017 से 2019 के बीच 303 बार सट्टा लगाया। ब्रेडन कार्स ने बयान जारी कर अपनी गलती कबूल ली है। उन्होंने बयान में कहा कि मैंने पांच साल पहले ये सट्टे लगाए थे। मैं अपनी गलती की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं। मैं ईसीबी, डरहम क्रिकेट और पीसीए को इस मुश्किल समय में मेरे समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि मैं अगले 12 हफ्तों तक कड़ी मेहनत करूंगा। मेरी कोशिश होगी कि जब भी मेरी वापसी हो, मैदान पर उस समर्थन का बदला चुका सकूं।

कोर्डा को हरा अल्कारेज फ्रेंच ओपन के अगले दौर में

पेरिस। दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज ने फ्रेंच ओपन में 16वें राउंड में शनिवार को अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा को सीधे सेटों में 6-4, 7-5, 6-3 से पराजित कर दिया। पहले सेट में की शुरुआत में ही

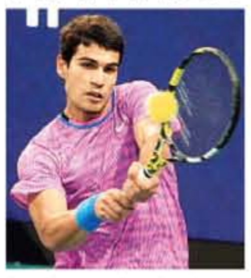

अलकारेज ने कोर्डा की सर्विस ब्रेक कर दी, लेकिन कोर्डा ने तेज जवाबी हमला बोलते हुए स्कोर को बराबरी पर लाकर खड़ा कर दिया। अलकारेज ने 4-4 पर महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया और सेट 6-4 से जीत लिया। दूसरे सेट में अल्कारेज ने कोर्डा की सर्विस तोड़कर 1-1 से बराबरी कर ली और कोर्डा के प्रतिरोध के बावजूद अपनी बढ़त बरकरार रखी। सेट का समापन तनावपूर्ण टाई-ब्रेक में हुआ, जिसमें अलकारेज 7-5 से विजयी रहे। अलकारेज ने तीसरे सेट में अपना दबदबा बनाया, कोर्डा की शुरुआत में ही सर्विस ब्रेक की और अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए 6-3 से जीत हासिल की। अगले दौर में उनका सामना बेन शेल्टन और फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

टी-20 विश्वकप के खिताब में बुमराह की भूमिका होगी अहम

न्यूयॉर्क। चोट के कारण लंबे समय तक क्रिकेट के मैदान से बाहर रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का

टी-20 विश्वकप में प्रदर्शन भारत के लिए काफी अहम माना जा रहा है। चोट से उबरने के बाद तेज गेंदबाज ने हाल के दिनों में मैदान पर सफल वापसी की है और टी-20 विश्व कप के दौरान वह उस लय को बरकरार रखने की उम्मीद कर रहे हैं। दूसरे आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप खिताब के लिए भारत की खोज में बुमराह को एक प्रमुख कुंजी के रूप में देखा जा रहा है।

आज से अमेरिका और वेस्ट इंडीज में शुरू होगा टी-20 वर्ल्ड कप का महा समर

मेजबान अमेरिका पर अच्छी शुरुआत का दबाव

हालिया फॉर्म मेजबान के पक्ष में, लेकिन कनाडा भी कम नहीं, भारतीय समयानुसार सुबह 6 बजे से शुरू होगा मैच

न्यूयॉर्क। फटाफट क्रिकेट का महासमर रविवार से अमेरिका की धरती पर शुरू होगा। अमेरिका पहली बार वेट इंडीज के साथ टी-20 वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहा है। विश्व कप का पहला मैच भी कल अमेरिका और पड़ोसी देश कनाडा के बीच खेला जाएगा। कनाडा ने विश्व कप के अभ्यास मैच में नेपाल को 63 रनों के बड़े अंतर से हराया, और नीदरलैंड्स के खिलाफ उनका एक अभ्यास मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। वहीं अमेरिका के दोनों अभ्यास मैच बारिश के कारण रद्द हो गए थे, इसलिए उन्हें पर्याप्त अभ्यास नहीं मिल पाया है। हालांकि अमेरिकी टीम इसी महीने पूर्णकालिक देश बांग्लादेश को तीन मैचों की टी-20 सीरीज में 2-1 से हराकर आ रही है। इससे पहले अप्रैल में उन्होंने कनाडा को भी पांच मैचों की टी-20 सीरीज में 4-0 से हराया था।

आंकड़ों में अमेरिका भारी

दोनों टीमों के बीच अब तक सात टी-20 मुकाबले हुए हैं, जिसमें अमेरिका को चार जबकि कनाडा को सिर्फ दो मैचों में जीत मिली है। कहा जा सकता है कि हालिया फॉर्म अमेरिका के पक्ष में है, लेकिन कनाडा को भी कम करके आंका नहीं जा सकता। उन्होंने 2022 टी-20 विश्व कप के बाद से 16 टी-20 मैचों में 10 मैच जीते हैं।

इन पर रहेगी नजर

अमेरिका के पास कप्तान मोनांक पटेल, स्टीवन टेलर और कोरी एंडरसन जैसे बल्लेबाज हैं। वहीं गेंदबाजी में सौरभ नेत्रवलकर ने अमेरिका के लिए सर्वाधिक 27 विकेट लिए हैं। ऑलराउंडर हरमीत सिंह ने भी बांग्लादेश के खिलाफ जिस तरह का फॉर्म दिखाया था, वह अमेरिका के लिए शुभ संकेत है। कनाडा के लिए एरन जॉनसन और कप्तान साद बिन जफर महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। जॉनसन ने 2022 टी-20 विश्व कप के बाद से कनाडा के लिए सभी 16 टी-20 मैच खेलते हुए 51 की औसत से दो शतकों और पांच अर्द्धशतकों के साथ 713 रन बनाए हैं। वहीं बिन जफर का टी-20 इकॉनामी रेट सिर्फ 6.39 का है और वे 19 की शानदार औसत से 37 मैचों में 43 विकेट ले चुके हैं।

वेस्ट इंडीज का मुकाबला पापुआ न्यू गिनी से होगा

गुयाना। टी-20 विश्व कप के पहले दिन दूसरा मुकाबला गुयाना के प्रॉविडेंस स्टेडियम में सह मेजबान वेस्ट इंडीज और पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) के बीच भारतीय समयानुसार रात 8 बजे खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच यह पहला टी-20 मैच होगा। हालांकि यह दूसरी बार है जब पीएनजी टी-20 विश्व कप में भाग ले रहा है। इससे पहले 2021 के विश्व कप में पीएनजी ने पहली बार किसी बड़े आईसीसी टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। तब उन्हें ग्रुप चरण के अपने तीनों मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। पीएनजी ने एशिया-पैसिफिक क्वालिफायर में छह मैचों में से सभी छह मैच जीतकर विश्व कप के लिए जगह बनाई। मार्च में उन्होंने नेपाल और हांगकांग के साथ हुई त्रिकोणीय सीरीज में नेपाल को फाइनल में 86 रनों से हराकर खिताब जीता। हालांकि विश्व कप अभ्यास मैचों में उन्हें ओमान और नामीबिया ने करीबी अंतर से हराया। वहीं वेस्टइंडीज ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका को तीन मैचों की टी-20 सीरीज में 3-0 से हराया है।

अभ्यास मैच में श्रीलंका और अफगानिस्तान की जीत

फ्लोरिडा। श्रीलंका और अफगानिस्तान ने अभ्यास मैचों के अंतिम दिन जीत के साथ आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारी को धार दी। दासुन शनाका ने आयरलैंड के खिलाफ श्रीलंका की 41 रन की जीत में चार विकेट लिए, जबकि गुलबदीन नायब के तेज अर्धशतक की बदौलत अफगानिस्तान ने स्कॉटलैंड को 55 रन से हरा दिया।

फ्लोरिडा में श्रीलंका ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन चौथे ओवर में उसके एक के बाद एक दो विकेट गिर गए। कप्तान वानिंदु हसरंगा (26) और शनाका (23) ने शुरुआत की, लेकिन आयरलैंड का आक्रमण अनुशासित रहा और एक समय श्रीलंका सात विकेट पर 125 रन बनाकर संघर्ष की स्थिति में आ गया था। बैरी मैक्कार्थी ने 31 रन देकर दो विकेट झटके। हालांकि एंजेलो मैथ्यूज ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए नाबाद 32 रन की पारी खेलकर अपनी टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। आयरलैंड के एंडी बालबर्नी (16) और पॉल स्टर्लिंग (21) ने सकारात्मक शुरुआत की और स्कोरबोर्ड पर 39 रन टांग दिए लेकिन आयरिश खिलाड़ी हसरंगा (2/40) का सामना करने में असहज नजर आए

जबकि शनाका ने बीच के ओवरों में आयरलैंड की रनों की रफ्तार पर अंकुश लगाया। शनाका ने 3.2 ओवर में 23 रन देकर चार विकेट लिए।

अफगानिस्तान-स्कॉटलैंड

त्रिनिदाद में अफगानिस्तान ने स्कॉटलैंड के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और गुलबदीन ने पारी के दूसरे ओवर में 20 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज ने सिर्फ 21 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और छह छक्कों की मदद से टीम के स्कोर को महज आठवें ओवर में तीन अंकों में पहुंचा दिया। गुलबदीन को 69 रन पर कवर पर कैच आउट कर दिया गया, लेकिन

अजमतुल्लाह उमरजई ने 36 गेंदों में 48 रन बनाकर गति बरकरार रखी। अफगानिस्तान आठ विकेट पर 178 रन बना सका। जवाब में जॉर्ज मुन्से ने 18 गेंदों में 28 रन बनाए, लेकिन वह स्कॉटलैंड के शीर्ष छह में से एकमात्र सदस्य थे, जिन्होंने दोहरे अंक में जगह बनाई। आठवें ओवर में स्काटलैंड का स्कोर पांच विकेट पर 44 रन था। मुजीब उर रहमान ने दो शुरुआती विकेट लिए। मार्क वॉट ने 25 गेंदों में 34 रन बनाकर जज्बा दिखाया, लेकिन करीम जनत (2/13) ने अफगानिस्तान को तीन जून को युगांडा के खिलाफ अपने पहले मैच के लिए अच्छी स्थिति में स्थापित करने में आसान जीत हासिल करने में मदद की।

युवराज सिंह बने इंडिया चैंपियंस टीम के कप्तान

नई दिल्ली। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स टूर्नामेंट में इंडिया चैंपियंस टीम की कप्तानी युवराज सिंह करेंगे। युवराज के साथ इस टूर्नामेंट में सुरेश रैना, इरफान पठान, आरपी सिंह और हरभजन सिंह जैसे दिग्गज भी खेलते नजर आएंगे।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के पहले सीजन का आयोजन जुलाई में इंग्लैंड में किया जाएगा। दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान इंडिया चैंपियंस टीम की जर्सी लांच की गई और टीम के खिलाड़ियों के नाम की भी घोषणा की गई।

इंडिया चैंपियंस के कप्तान युवराज सिंह ने इंग्लैंड में खेलने को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड से मेरा खास रिश्ता रहा है और इस टीम के लिए कप्तानी करते हुए एक बार फिर से वहां खेलने का अवसर मिलना मेरे लिए काफी मेयने रखता है। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में भारत के अलावा इंग्लैंड, पाकिस्तान, आस्ट्रेलिया, वेस्ट इंडीज और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमों के दिग्गज पूर्व क्रिकेटर भी खेलते नजर आएंगे।

शाकिब-मुस्तफिजुर पर होगा बांग्लादेश का दारोमदार

नई दिल्ली। टी-20 विश्व कप में बांग्लादेश की टीम अपने अभियान की शुरूआत 8 जून को श्रीलंका के खिलाफ डेलास में करेगी। बांग्लादेश की टीम ग्रुप डी में है और इस ग्रुप में उसके अलावा नेपाल, नीदरलैंड्स, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका जैसी टीमें हैं।

श्रीलंका के खिलाफ पहला मैच खेलने के बाद बांग्लादेश की अगली भिड़ंत 10 जून को न्यूयॉर्क में दक्षिण अफ्रीका से होगी। टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश का दारोमदार शाकिब अल हसन और मुस्तफिजुर रहमान पर होगा। शाकिब बांग्लादेश टीम में सबसे अनुभवी स्पिनर हैं। शाकिब के अलावा महमुदउल्लाह, मेहदी हसन, रिशाद हुसैन और तनवीर इस्लाम स्पिन गेंदबाजी कर सकते हैं। गेंद के साथ शाकिब टी-20 में अच्छी लय में भी हैं। पिछले टी-20 विश्व कप के बाद से बांग्लादेश ने 22 मैच खेले हैं। हालांकि शाकिब ने इस दौरान बांग्लादेश के लिए 10 मैच ही खेले लेकिन उन्होंने 11.58 की औसत से 17 विकेट चटकाए। वहीं बल्ले से भी शाकिब ने 17 की औसत से रन बनाए। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के अलावा शाकिब ही ऐसे खिलाड़ी हैं जो अब तक सभी टी-20 विश्व कप संस्करणों में खेले हैं। शाकिब के पास कुल 35 टी-20 विश्व कप मैचों का अनुभव है। बांग्लादेश के गेंदबाजी लाइन अप का दारोमदार मुस्तफिजुर रहमान के कंधों पर होगा। मुस्तफिजुर तीनों चरणों में गेंदबाजी करने में महारत हासिल रखते हैं। 2021 की शुरूआत से लेकर अब तक टी-20 में मुस्तफिजुर ने सबसे ज्यादा 36 फीसदी गेंदबाजी मिडिल ओवर्स में की है।

फिर अटका माउंट आबू कोचिंग कैंप, जायजा लेने जाएंगे अधिकारी

जयपुर। राजस्थान खेल परिषद का माउंट आबू में लगने वाला सेंट्रल कोचिंग कैंप फिर अटक गया है। परिषद के अधिकारियों ने पिछले दिनों आबू शिविर की शुरुआत के लिए 5 जून की संभावित तारीख तय की लेकिन खेल विशेषज्ञों और परिषद के ही कुछ पूर्व खेल अधिकारियों की आबू शिविर को लेकर नकारात्मक टिप्पणियों के चलते अब कैंप की शुरुआत से पहले वहां आयोजन की संभावनाओं को लेकर रिपोर्ट ली जाएगी। इसके लिए खेल परिषद के अधिकारी रविवार को माउंट आबू जाएंगे। इन अधिकारियों की रिपोर्ट के आधार पर ही तय होगा कि माउंट आबू में कोचिंग कैंप लगाया जाए या नहीं।

ये अधिकारी जाएंगे आबू

खेल परिषद के सहायक प्रशासनिक अधिकारी और परिषद सचिव के निजी सहायक राजेश शर्मा और सीनियर एथलेटिक्स कोच सबल प्रताप सिंह को माउंट आबू भेजा जा रहा है। ये दोनों अधिकारी रविवार को आबू पहुंचेंगे। सूत्रों के अनुसार ये अधिकारी वहां पोलो ग्राउण्ड की स्थिति, खिलाड़ियों को ठहराने की व्यवस्था, आबू के मौसम और स्कूलों में अवकाश समाप्त होने की स्थिति पर अपनी रिपोर्ट एक-दो दिन में परिषद को देंगे। परिषद के अधिकारी जिला कलेक्टर और आबू के स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों से भी चर्चा करेंगे।

अभी मेला चल रहा है पोलो ग्राउण्ड पर

पोलो ग्राउण्ड पर, जहां खेल परिषद का कैंप लगना है, वहां फिलहाल मेला चल रहा है। ग्राउण्ड के एक छोर पर मेले के टेंट लगे हैं। ये मेला संभवतः 5 जून तक चलेगा और उसके बाद मैदान की साफ-सफाई खेल परिषद को ही अपने स्तर पर करानी होगी। इसके अलावा सूखे ग्राउण्ड पर कंकड़ जमा हैं, जिससे खिलाड़ियों को चोट लगने का खतरा बना रहेगा।

असमंजस की स्थिति

शिविर आयोजन को लेकर परिषद में असमंजस की स्थिति बनी है। अधिकारियों और कर्मचारियों का एक धड़ा हर हाल में कोचिंग कैंप के आयोजन पर आमादा है लेकिन अब परिषद के सचिव सोहन राम चौधरी ने तय किया है कि पहले आबू में शिविर आयोजन की संभावनाओं को देखा जाए। सूत्रों का कहना है कि परिषद सचिव चाहते हैं कि आबू में शिविर का आयोजन उसी सूरत में किया जाए जब वहां ग्राउण्ड और अन्य सुविधाएं जुटाई जा सकें और खिलाड़ियों को इससे लाभ मिले। परिषद ने अभी तक शिविर के लिए खिलाड़ियों का चयन भी पूरा नहीं किया है।

एक करोड़ से ज्यादा होंगे खर्च

माउंट आबू और जयपुर में लगने वाले सेंट्रल कोचिंग कैंप पर राजस्थान खेल परिषद एक करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च करेगी। इसमें खिलाड़ियों की भोजन व्यवस्था, टेंट व्यवस्था और होटल व्यवस्था पर ही माउंट आबू में 60 लाख और जयपुर में 50 लाख रुपए खर्च होंगे। इसके अलावा अन्य खर्चे अलग हैं।

जयपुर के 11 साल के रुद्रदमन मेड़तिया ने फिडे मास्टर राठौड़ को हरा किया धमाका

श्रीराज, अर्पण दास, बद्रीनाथ और देबोशनिक संयुक्त शीर्ष पर

जयपुर। गुलाबी नगर के नन्हे शातिर रुद्रदमन मेड़तिया ने शनिवार को यहां जयपुर ओपन क्लासिकल फिडे रेटिंग शतरंज में बड़ा उलटफेर कर दिया। मात्र ग्यारह साल के रुद्रदमन ने टूर्नामेंट के 7वें राउण्ड की बाजी में मध्य प्रदेश के फिडे मास्टर और पूर्व नेशनल-ए खिलाड़ी एसके राठौड़ के खिलाफ सनसनीखेज जीत हासिल की। इस बीच महाराष्ट्र के श्रीराज भोसले, बंगाल के अर्पण दास, पुड्डुचेरी के एस. बद्रीनाथ और असम के देबोशनिक डे सात दौर के बाद 6.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर बने हुए हैं।

आयोजन सचिव जयेन्द्र चतुर्वेदी के अनुसार शनिवार को पहले बोर्ड पर श्रीराज भौसले और अर्पण दास तथा दूसरे बोर्ड पर वंदन अलंकार और बद्रीनाथ के बीच

बाजी बराबरी पर रही। देबोशनिक डे ने उत्तर प्रदेश के गोपाल कृष्ण माहेश्वरी को हरा अपने अंकों की संख्या 6.5 कर ली। टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त गुजरात के कर्तव्य अनादकट ने महाराष्ट्र के माडकर अथर्व को शिकस्त दी। अन्य प्रमुख परिणामों में महाराष्ट्र के श्रायन मजूमदार ने राजस्थान के दिव्यांशु बावेल को, राजस्थान के अरुण कटारिया ने महाराष्ट्र के श्रुति काले को, बिहार के किशन कुमार ने हरियाणा के पृथ्वी शर्मा को, बिहार के सुधांशु रंजन ने दिल्ली के अमर्त्य कुमार को, राजस्थान के शेर सिंह ने राजस्थान के ही के उज्जवल दीप को हराया।

परिवार के लिए छोड़ा अपना देश और टीम

न्यूजीलैंड के लिए खेल चुके एंडरसन अब वर्ल्ड कप में करेंगे अमेरिका का प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के कोरी एंडरसन टी-20 वर्ल्ड कप में इस बार अमेरिकी टीम का प्रतिनिधित्व करते नजर आएंगे। टी-20 वर्ल्ड का इस बार अमेरिका और वेस्ट इंडीज की संयुक्त मेजबानी में हो रहा है और मेजबान होने के नाते पहली बार अमेरिका को भी टूर्नामेंट में हिस्सा लेने का मौका मिला है। न्यूजीलैंड के लिए वर्ल्ड कप खेल चुके कोरी एंडरसन अमेरिका की 15 सदस्यीय टीम का हिस्सा हैं। एंडरसन पिछले काफी समय से अमेरिका में हैं। एंडरसन के अमेरिका में बसने की बड़ी वजह उनकी पत्नी मैरी मारगेट एंडरसन हैं।

कोरी एंडरसन और मारगेट ने 2018 में ग्रीस आईलैंड पर सगाई

की और 2021 में वे विवाह बंधन में बंध गए। मारगेट अमेरिका के डलास टेक्सास की रहने वाली हैं। वह प्रोफेशनल फोटोग्राफर हैं और अपनी कंपनी चलाती हैं। मारगेट सगाई के बाद तीन साल न्यूजीलैंड में रहीं। इसके बाद वह अमेरिका लौट आई। एंडरसन ने कोरोना से पहले अपने परिवार के साथ अमेरिका में बसने का निर्णय लिया।

एंडरसन के पास शुरुआत में अमेरिका में क्रिकेट को लेकर ज्यादा विकल्प नहीं थे। 2020 में उन्होंने संन्यास के बाद यूएस क्रिकेट लीग में खेलने का निर्णय लिया। मेजर लीग क्रिकेट टी-20 टूर्नामेंट आने से उनके करियर को नई दिशा मिली। उन्होंने यूनिकॉर्न सैनफ्रांसिस्को की ओर से मेजर लीग में हिस्सा लिया। एंडरसन अब टी-20 वर्ल्ड कप में अमेरिका टीम का हिस्सा बने हैं।

दुःखों का नाश करने के लिए मनाएं शनि जयंती

शनि जयंती के दिन ध्यान रखें कि घर पर लोहे से बनी कोई वस्तु ना लेकर आए। लोहे की चीजें खरीदने से भगवान शनि रुष्ट हो जाते हैं और ऐसा करने से आपकी शारीरिक और आर्थिक परेशानियां बढ़ सकती हैं।

हिंदू धर्म में शनि जयंती का विशेष महत्व है। हिंदू पंचांग के मुताबिक हर साल ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को शनि जयंती मनाई जाती है। हिंदू पंचांग के अनुसार इस वर्ष शनि जयंती 6 जून को मनाई जाएगी। ऐसा माना जाता है कि शनि देव न्याय के देवता है और शनि जयंती के दिन विधि विधान के साथ यदि पूजा अर्चना के बाद व्रत किया जाता है तो भक्तों के कष्ट दूर हो जाते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि शनि देव सभी भक्तों को उनके कर्मों के अनुसार फल देते हैं। लोग शनि देव को प्रसन्न करने के लिए और किसी भी तरह के कुप्रभाव से बचने के लिए कई प्रकार से आराधना करते हैं। धर्म और ज्योतिष की दृष्टि से सूर्य पुत्र शनिदेव को महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। मान्यता है कि इस दिन शनिदेव की विधि पूर्वक उपासना करने से शनिजनित दोषों को कम किया जा सकता है। शनिदेव को न्यायप्रिय व कर्मों के अनुसार फल देने वाला देवता कहा गया है। अच्छे कर्म करने वालों पर शनि देव की सदैव कृपा बनी रहती है और उनकी समस्त मनोकामनाएं पूरी होती है। जबकि बुरे कर्म करने वाले व्यक्ति को शनिदेव कठोर दंड देते है। शनि देव की कुदृष्टि से व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि शनि जयंती के दिन कुछ उपायों को करने से शनिदेव प्रसन्न होकर अपना आशीर्वाद प्रदान करते हैं तो वहीं कुछ कार्य ऐसे हैं जिनको करने से वे रुष्ट हो सकते हैं, ऐसे कार्यों को इस दिन भूलकर भी न करें। शनि देव सूर्य के पुत्र हैं और मृत्यु के देवता यम के बड़े भाई हैं। शनि देव को न्यायकारी ग्रह माना जाता है। शनि की महादशा अंतर्दशा, साढ़ेसाती एवं ढैया को लोग अशुभ मानते हैं, किंतु यह हमेशा सत्य नहीं है। अनैतिक कार्य करने वाले व्यक्ति को शनि अपनी ढैया, साढ़ेसाती या महादशा में दारुण दुख देते हैं। उन्हें आकस्मिक हानि, शारीरिक विकार धन हानि एवं अपमान सहन करना पड़ता है जबकि नैतिक कार्य करने वाले लोग शनि की महादशा में फर्श से अर्श पर जाते हुए देखे गये हैं। शनि मकर एवं कुंभ राशियों के स्वामी हैं। तुला राशि में उच्च के होते हैं। यदि किसी जातक की कुंडली में शनि अच्छे भाव में है तो उसको जीवन में शनि उन्नति की ओर ले जाएंगे और इस शनि कुंडली में मेष राशि के अथवा शत्रु राशि के हो तो ऐसे व्यक्ति को कष्ट प्रदान करते हैं। शनि से डर उनको लगता है जो गलत कार्य करते हैं। जैसे घूस लेना, गरीबों को सताना, माता-पिता की सेवा ना करना, झूठी गवाही देना, अत्याचार आदि करना। शनि सबके कर्मों का हिसाब रखते हैं।

शनि जयंती तिथि 2024

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार इस वर्ष ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि 06 जून 2024 को है और इस तिथि पर शनि जन्मोत्सव का पर्व मनाया जाएगा। ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि की शुरुआत 05 जून की शाम को 07.54 मिनट से शुरू होगी और इसका समापन 6 जून को शाम 06.07 मिनट पर होगी।

भगवान शनि को प्रसन्न करने के उपाय

कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि ज्योतिषीय दृष्टि से देखें तो पीपल का संबंध शनि से माना जाता है। पीपल की जड़ में हर शनिवार को जल चढ़ाने और दीपक जलाने से अनेक प्रकार के कष्टों का निवारण होता है। शनि की साढ़ेसाती या ढैय्या के चलते पीपल के पेड़ की पूजा करना और उसकी परिक्रमा करने से शनि की पीड़ा झेलनी नहीं पड़ती। वहीं पीपल का वृक्ष लगाने से शनि की कृपा प्राप्त होती है। जीवन में आए कष्टों को दूर करने के लिए शनि दोष से पीड़ित व्यक्ति को शनि जयंती से शुरू कर हर शनिवार के दिन शनिदेव के मंत्र 'ऊं प्रां प्रीं प्रौं स- शनैश्चराय नम-' का जाप करना चाहिए। शनिदेव के आराध्य भगवान शिव हैं। इस दिन शनिदेव के साथ शिवजी पर काले तिल मिले हुए जल से अभिषेक करना चाहिए। शनि दोष की शांति के लिए प्रतिदिन महामृत्युंजय मंत्र या %? नमः शिवाय% का जाप और सुंदरकाण्ड का पाठ करना चाहिए इससे शनि देव प्रसन्न होते हैं। शनिदेव की कृपा पाने के लिए जातक को शनिवार के दिन व्रत रखना चाहिए और गरीब लोगों की सहायता करनी चाहिए, ऐसा करने से मनुष्य के कष्ट दूर होने लगते हैं। शनिदेव, हनुमानजी की पूजा करने वालों से सदैव प्रसन्न रहते हैं, इसलिए इनकी प्रसन्नता के लिए शनि पूजा के साथ-साथ हनुमान जी की भी पूजा करनी चाहिए।

क्या न करें

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि शनि जयंती के दिन ध्यान रखें कि घर पर लोहे से बनी कोई वस्तु ना लेकर आए। लोहे की चीजें खरीदने से भगवान शनि रुष्ट हो जाते हैं और ऐसा करने से आपकी शारीरिक और आर्थिक परेशानियां बढ़ सकती हैं। शनि जयंती के दिन इस बात का ध्यान रखें कि आप शमी या पीपल के वृक्ष को हानि न पहुचाएं, ऐसा करने से आप शनि के प्रकोप के घेरे में आ सकते हैं। सरसों का तेल, लकड़ी, जूते-चप्पल और काली उड़द को आप भूल से भी शनि जयंती पर खरीदकर नहीं लाएं, वरना आपको शनिदेव की कुदृष्टि का सामना करना पड़ सकता है। शनि जयंती पर शनि मंदिर में शनिदेव के दर्शन करने जाएं तो इस बात का ध्यान रखें कि भूल से भी उनकी आंखों को न देखें माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार इनकी आखों में देख कर दर्शन करने से अनिष्ट होता हैं। इस दिन भूलकर भी बड़े बुर्जुगों का अपमान नहीं करें। शनिदेव, माता-पिता और बड़े लोगों का अनादर करने और उनसे झूठ बोलने वालों से रुष्ट होकर बुरे फल प्रदान करते हैं।

ऐसे करें शनि देव की पूजा

कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस दिन सुबह उठकर नित्यकर्म और स्नानादि करने के बाद व्रत और पूजा का संकल्प लेना चाहिए। घर में पूजा स्थल पर शनिदेव की मूर्ति स्थापित करें। शनि देव को तेल, फूल, माला आदि चढ़ाएं। शनिदेव को काला उड़द और तिल का तेल चढ़ाना बहुत शुभ होता है। शनि देव को तेल का दीपक जलाएं और शनि चालीसा का पाठ करें। शनि देव की आरती करने के बाद हाथ जोड़कर प्रणाम करें और बाद में प्रसाद का वितरण करें। शनि जयंती के दिन गरीब और जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं तथा सामर्थ्य के अनुसार दान- पुण्य करने से लाभ मिलता है।

साढ़ेसाती और ढैय्या

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि शनिदेव सभी ग्रहों में सबसे धीमी गति से चलने वाले ग्रह हैं। शनि एक राशि में ढाई वर्षों तक रहते हैं।

साल 2024 में शनि कुंभ राशि में विराजमान हैं। ऐसे में साल 2024 में कुंभ, मकर और मीन राशि पर शनि की साढ़ेसाती चल रही है। इसके अलावा कर्क और वृश्चिक राशि पर शनि की ढैय्या का प्रभाव है। शनि जयंती पर शनि अपनी मूल त्रिकोण राशि कुंभ में विराजमान होंगें।

ऋषि दुर्वासा ने यहां किया था हजारों साल तक तप, कलयुग में हुए अंतर्ध्यान

हिंदू धर्म ग्रंथों में हमे जहां भी ऋषि दुर्वासा का जिक्र मिलता है वहां पर उन्हें बहुत ही क्रोधी स्वभाव का बताया जाता है। लेकिन वह एक बहुत ही तपस्वी ऋषि भी भी थे। ऋषि दुर्वासा ने जहां हजारों साल तप किया वर्तमान समय में वहां एक आश्रम का निर्माण हो चुका है।

हिंदू धर्म ग्रंथों में बहुत से महान ऋषि मुनियों को वर्णन मिलता है। जिनमे से एक दुर्वासा ऋषि भी थें। ऋषि दुर्वासा बहुत ही ज्ञानी होने के साथ क्रोधी स्वभाव के पौराणिक कथाओं के अनुसार महर्षि दुर्वास सतयुग, त्रेतायुग, और द्वापर युग में इस स्थान पर तपस्या करते रहे।

भी थे। माना जाता है कि उन्हें बात- बात पर क्रोध आ जाता था, उनके इस क्रोध के कारण सामान्य मनुष्य ही नहीं बल्कि देवी- देवता भी भयभीत रहते थे। महादेव से लेकर देवराज इंद्र तक ऐसे कोई भी देवी या देवता न थे जो दुर्वासा ऋषि के गुस्से के भागी न बने हों।

ऋषि दुर्वासा ने यहां की थी तपस्या

ऋषि दुर्वासा ने जहां हजारों वर्ष तपस्या की थी, वह स्थान उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ के फूलपुर से 6 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। पौराणिक कथाओं के अनुसार यह जगह विशेष रूप से दुर्वासा ऋषि आश्रम के लिए प्रसिद्ध है। प्राचीन समय में हजारों की संख्या में विद्यार्थी ज्ञान प्राप्त करने के लिए यहां आते थे। इस स्थान का भगवान शिव और माता पार्वती से भी गहरा नाता है।

यहां कैसे पहुंचे ऋषि दुर्वासा?

पौराणिक कथाओं के अनुसार, सती अनुसुइया और अत्रि मुनि के पुत्र महर्षि दुर्वासा 12 वर्ष की आयु में चित्रकूट से फूलपुर के बाहर मय चक गजड़ी गांव के पास तमसा- मंजूसा नदी के पास आ गए। कहा जाता है कि दुर्वासा ऋषि ने यहां कई वर्षों तक घोर तप किया।

कलयुग में हुए अंतर्ध्यान

मान्यता है कि सतयुग, त्रेतायुग, और द्वापर युग में तो महर्षि दुर्वासा ने यहां 88 हजार ऋषियों के साथ तपस्या और यज्ञ किए, लेकिन जैसे ही कलयुग का आरंभ हुआ वैसे ही ऋषि दुर्वासा तपस्थल पर ही अंतर्ध्यान हो गए। इस आश्रम में आज भी ऋषि दुर्वासा की भव्य प्राचीन मूर्ति स्थापित है।

तीन दिवसीय भव्य मेला

प्रत्येक वर्ष कार्तिक-पूर्णिमा के अवसर पर यहां भव्य मेले का आयोजन किया जाता है। यहां भारी मात्रा में लोग दर्शन करने के लिए आते हैं। मंदिर में दुर्वासा ऋषि के प्रतिमा को बसंती रंग के वस्त्र धारण कराए जाते हैं लोगों नाचते गाते हैं। इस दिन के उत्सव को बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। यहां संगम पर नदी के एक ओर दुर्बाषेश्वर महादेव मन्दिर स्थित है और दूसरी ओर महाबल निषाद मंदिर है। मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन संगम में स्नान करने व भगवान की श्रद्धा के साथ पूजा अर्चना करने से 100 पापों से मुक्ति मिलती है। यही वजह है कि यहां लगने वाले मेले में पूरे देश से लोग पहुंचते हैं।

परहित सरिस धर्म नहीं भाई

यदि जीवन का उद्देश्य केवल अपने पेट का भरण-पोषण होता तो संभवतः विश्व में सभ्यता और संस्कृति का पतन हो गया होता। संस्कृति का मूलाधार उन तपस्वियों और मनीषियों के जीवन का त्याग है जिन्होंने अपना समस्त जीवन ही संसार के सत्य को जानने के लिए अर्पित किया है। अतः स्पष्ट है कि वास्तव में संस्कृति की पवित्र धारा सदैव जन-कल्याण और लोक-मंगल की भावना से युक्त रहती है। ज्ञान की दृष्टि से विचार करें तो अपने-अपने जीवन का पालन करना सभी का कर्तव्य है यदि मनुष्य अपने हित के अतिरिक्त दूसरों के हित की भी सोचे तो वह मानवता का धर्म है। जो अपने हित की परवाह किए बिना दूसरों की भलाई के लिए तत्पर रहता है और अपना जीवन भी न्योछावर कर देता है वह सच्चे अर्थों में देवता बन जाता है। वेद व्यास जी ने सभी पुराणों का सार इन शब्दों में प्रकट कर दिया है :

परोपकारः पुण्याय: पापाय परपीडनम्॥

अठ्ठारह पुराणों की रचना करने वाले व्यास जी ने उन सबका सार दो शब्दों में ही कह दिया कि दूसरों की भलाई ही पुण्य है और दूसरों को कष्ट देना ही पाप है। गोस्वामी तुलसीदास जी ने इस भावना को, समस्त धर्मों के सार को इस चौपाई में स्पष्ट कर दिया है :

परहित सरिस धर्म, नहीं भाई।
परपीड़ा सम नहिं अधमाई॥

जब प्राणी सभी के प्रति अपने धर्म को पहचानता है तो यहीं उसकी विश्व दृष्टि हो जाती है। वह 'स्व' और 'पर' की भावना से अलग हो जाता है और सारा विश्व ही उसे अपना परिवार जैसा दिखाई देता है। हमारी संस्कृति ने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का जो उपदेश दिया है वह इसी पुनीत भावना पर आधारित है कि जब हम दूसरों के दुख में दुख को अनुभव करते हैं तब दूसरा भी हमारे दुख को अनुभव करता है। अपना जीवनयापन तो पशु भी करता है लेकिन मनुष्य केवल अपने लिए ही नहीं जीता, उसके जीवन का लक्ष्य दूसरों का कल्याण भी होता है। यही संस्कृति की पवित्र धारा है। आज विश्व में जो उत्पात मचा हुआ है वह इसीलिए है कि लोग अपने-अपने स्वार्थों में खोए हुए हैं। उन्हें दूसरों की कोई परवाह नहीं होती। अपने भले के लिए दूसरों का शोषण करते हैं। उनके जीवन से खेलते हैं। हमारे इतिहास और पुराणों में एक नहीं अनेक ऐसे महापुरुष हुए हैं जिन्होंने अपने जीवन को दूसरों के लिए समर्पित कर दिया था। दधीचि, रंतिदेव, शिवि आदि ऐसे उदाहरण हैं। स्वतंत्रता के लिए प्राणों की बाजी लगाने वाले वीरों के जीवन के आदर्श भी यही रहे हैं कि-

निज हेतु बरसता नहीं व्योम से पानी।

हम हों समष्टि के लिए व्यष्टि-बलिदानी॥

निर्मलता का मंत्र

संत रामानुज जब प्रातःकाल गंगा में स्नान करने जाते थे, तो ब्राह्मणों के कंधों पर हाथ रखकर जाते थे और लौटते समय हरिजनों के कंधों पर हाथ रखते आते थे। एक व्यक्ति ने उनसे पूछा, 'संतवर, यह क्या पाखंड-सा है कि आप जब स्नान करने जाते समय ब्राह्मणों के कंधों पर और आते समय हरिजनों के कंधों पर हाथ रखते आते हैं।' विनम्रतापूर्वक रामानुज जी बोले, 'मेरे प्यारे! जब मैं ब्राह्मण के कंधे पर हाथ रखता हूं तो मुझे इनके अंदर छुआछूत का मैला भाव मालूम पड़ता है और जब मैं हरिजन के कंधे का स्पर्श करता हूं तो मेरा मन शुद्ध, पवित्र तथा निर्मल-सा हो जाता है।' छुआछूत को खत्म करने के संत के इस अनूठे तरीके का लोगों पर इतना प्रभाव पड़ा कि अनेक लोगों ने हरिजनों से छुआछूतपूर्ण व्यवहार का त्याग कर दिया था।

– प्रस्तुतिः बनीसिंह जांगड़ा

सत्संग-विवेक से दृष्टि

एक बार भगवान श्रीहरि पक्षीराज गरुड़ की जिज्ञासाओं का समाधान कर रहे थे। श्रीहरि ने कहा, 'जो लोग सत्य का पालन करते हैं, झूठ नहीं बोलते, काम, ईर्ष्या और द्वेष के कारण स्वधर्म का परित्याग नहीं करते, वे सभी निश्चय ही सुखपूर्वक शरीर का त्याग करते हैं। जो असत्यवादी, झूठी गवाही देने वाले, विश्वासघाती और धर्म निंदक होते हैं, वे मूर्च्छा रूपी दुःखद मृत्यु को प्राप्त होते हैं।' श्रीहरि कर्म की व्याख्या करते हुए बताते हैं, 'जो कर्म जीवात्मा को बंधन में नहीं ले जाता, वही सत्कर्म है। जो विद्या प्राणी को मुक्ति प्रदान करने में समर्थ है, वही विद्या है।' श्रीहरि गरुड़ को बताते हैं कि सत्संग और विवेक- ये प्राणी के सार्थक दो नेत्र हैं। सत्संग और विवेक के बिना मानव अंधकार में भटकता रहता है। अंत समय के कल्याण का साधन बताते हुए भगवान कहते हैं, 'अंत समय आ जाने पर भयरहित होकर संयम रूपी शस्त्र से देहादि की आसक्ति को काट देने वाला व्यक्ति जीवन-मृत्यु के बंधन से मुक्त हो जाता है।'

प्रस्तुतिः अक्षिता तिवारी

इस मंदिर में जंजीरों में बांधे जाते हैं भगवान, चढ़ाई जाती है मदिरा

हिंदू धर्म में अलग-अलग स्थानों पर भगवान की कुछ विशेष ढ़ंग से पूजा अर्चना की जाती है। भारत में एक ऐसा ही मंदिर हैं जहां भगवान को जंजीरों में जकड़कर रखा जाता है और मदिरा का भोग भी चढ़ाया जाता है।

हिंदू धर्म में यह माना जाता है कि जो भी व्यक्ति सच्चे मन से भगवान की आराधना में लीन रहता है, वह सभी मोह के बंधन से मुक्त होकर बैकुंठ को जाता है। लेकिन भारत के इस मंदिर की इस अजीबोगरीब परंपरा को देख कर समझना मुश्किल हो जाता है कि आखिर यहां के लोग भगवान को ही जंजीर में बांध कर क्यों रखते हैं।

कहां स्थित हैं यह मंदिर?

मध्य प्रदेश के आगर मालवा जिले में स्थित केवड़ा स्वामी मंदिर भगवान भैरव को समर्पित है। यहां भगवान भैरव की आराधना 600 सालों से केवड़ा स्वामी के रूप में हो रही है। माना जाता है कि काल भैरव अपने भक्तों पर सदैव कृपा बनाए रखते हैं और इनकी पूजा करने से घर से नकारात्मक शक्तियां भी दूर हो जाती हैं।साथ ही काल भैरव की पूजा से शत्रुओं पर भी विजय प्राप्त होती है। काल भैरव को भगवान शिव का ही रूप माना जाता है। काल भैरव अष्टमी को कालाष्टमी भी कहते हैं।

शास्त्रीय मान्यता है कि इसी दिन भगवान भैरव का प्राकट्य हुआ था। इस मंदिर की विशेषता यह है कि यहां भगवान भैरव की मूर्ति को जंजीरों से बांधकर रखा गया है। इस मंदिर में बाबा भैरव अपने बटुक भैरव रूप में विराजमान है। बाबा भैरव की यह मूर्ति सिंदूरी स्वरूप में सोने चांदी की मुकुद धारण किए हुए रुद्र अवतार में दिखते हैं। बाबा भैरव का यह मंदिर पूरी दुनियां में प्रसिद्ध हैं। इस मंदिर में सिर्फ भारत से ही नहीं बल्कि विदेशों से भी लोग माथा टेकने और बाबा भैरव का आशीर्वाद प्राप्त करने आते हैं।

जंजीरों में बाधने का रहस्य

इस मंदिर में भैरव बाबा की प्रतिमा को जंजीरों से बांध कर रखने से जुड़ी मान्याता है कि बाबा भैरव बालक का रूप धारण कर नगर में जाते थें और वहां के बच्चों के साथ खेलने लगते थें। और जब उनका मन खेलने से भर जाता या वह किसी बात से नाराज हो जाते थे तो वे बच्चो को उठा कर तालाब में फेंक देते थें। उन्हें रोकने के लिए उनके आगे एक खम्बा लगा दिया है।

मदिरा का चढ़ता है भोग

हर साल भैरव पूर्णिमा व अष्टमी के दिन इस मंदिर में भारी संख्या में लोग यहां दर्शन करने आते हैं, यह दर्शनार्थी मंदिर के परिसर में ही दाल बाटी बनाते हैं। भगवान को भोग लगाते हैं। इसके अलावा यहां आने वाले भक्त भैरव बाबा को मदिरा का भी भोग लगाते हैं।

मंदिर का इतिहास

बाबा भैरव के मंदिर के इतिहास के बारे में यह मान्यता है कि वर्ष 1424 में केवड़ा स्वामी मंदिर के निर्माण से पहले झाला राजपूत परिवार के कुछ लोग गुजरात से अपने भैरव को लेकर जा रहे थे। जब वे रत्नसागर तालाब से गुजरे तो उनका चक्का थम गया और नतीजा यह हुआ कि भैरव महाराज यहीं बस गए। ऐसा माना जाता है कि झाला वंश के राजा राघव देव ने इस मूर्ति की स्थापना की थी, यह झाला राजपूत समाज की कुल देव भी हैं।

भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं नदियां

नदियां किसी भी देश की लाइफलाइन होती हैं। नदियों से ही उस देश की अर्थव्यवस्था, सभ्यता और प्राकृतिक समृद्धि का पता चलता है। खानपान, मनोरंजन और संस्कृति का भी स्रोत नदियां ही होती हैं। हम अगर अपने पौराणिक साहित्य पर नजर डालें तो भारतीय नदियां, भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं। भारत में ज्ञान, विज्ञान और आत्मा से परमात्मा तक की खोज सब नदियों के किनारे हुई, इसलिए भारत अकेला ऐसा देश है, जो नदियों को मां कहता है, देवी कहता है और उनकी पूजा करता है। कोई सभ्यता नदियों पर कितनी आश्रित होती होगी, इस बात का अंदाजा भारत की सम्पन्न सनातन संस्कृति से लगाया जा सकता है। नदियों के किनारे बसे ऋषिकेश, हरिद्वार, मथुरा, अयोध्या, प्रयाग, काशी, गया, पटना, नासिक और उज्जैन जैसे नगर भारतीय धर्म और संस्कृति के जगमगाते द्वीप हैं। ये सभी धार्मिक और सांस्कृतिक नगर प्रसिद्ध नदियों के किनारे बसे होने के कारण ही पीढ़ियों से हमारी सभ्यता के गंतव्य स्थल हैं।

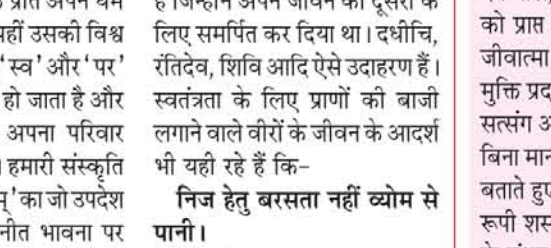

भारतीय संस्कृति में नदियों का धार्मिक और सांस्कृतिक ही नहीं, उनका ऐतिहासिक महत्व भी है। गंगा, यमुना, सरस्वती, नर्मदा, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी ये महज धरती में बहती पानी की धाराएं भर नहीं, अपने आप में ये एक सभ्यता और संस्कृति को साथ लेकर बहती नदियां हैं। गंगा को भारतीय संस्कृति की आत्मा माना जाता है इसलिए इसे माता का दर्जा दिया जाता है।

भारत के चार राज्यों उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और मुख्य रूप से बंगाल से गुजरने वाली गंगा भारतीय संस्कृति की अमरकथा है। माना जाता है कि नदियों में देवियां और देवताओं का वास होता है। भारत में हिंदू धर्म के सबसे बड़े ग्रंथ महाभारत का आधार ही गंगा है। देवव्रत यानी भीष्म पितामाह की मां गंगा थीं।

हमारा प्राचीन और समृद्ध अतीत गंगा और यमुना नदियों के किनारे महान ऋषि, मुनियों की ज्ञान परंपरा वाला इतिहास है। गंगा और यमुना दोनों ही पवित्र नदियां हैं, जिनके किनारे आधुनिक सभ्यता के कई पड़ाव पड़े। गीता में भगवान कृष्ण खुद नदी और समुद्र की तुलना आत्मा और परमात्मा से की है। नदी आत्मा है। उत्तराखंड में गंगोत्री ग्लेशियर से निकलने वाली गंगा का मुख्यस्रोत गोमुख है। कुल 2480 किलोमीटर की यह नदी हिमालय की पवित्र कंदराओं से निकलकर मैदान की तरफ बहती है। गंगा को गंगा बनाने वाली इसकी सहायक नदियां हैं। शायद यही वजह है कि इस देश में सबसे ज्यादा सहायक नदियां अगर किसी नदी की हैं, तो वह गंगा ही है। 2480 किलोमीटर तक बहने वाली गंगा इस लिहाज से देश की सबसे बड़ी और लंबी नदी है, क्योंकि यह पूरी तरह से भारत में बहती है। वैसे लंबाई के लिहाज से ब्रह्मपुत्र 2990 किलोमीटर लंबी है। लेकिन ब्रह्मपुत्र तिब्बत के पुरंग जिले से निकलकर मानसरोवर झील के निकट से भारत और फिर बांग्लादेश में बहती है। इसलिए यह पूरी तरह से भारत में बहने वाली नदी नहीं है।

प्रोडक्शन का काम जल्द शुरू करने वाली हैं लारा

लगातार फिल्में करते हुए परिवार की देखभाल करना आसान नहीं होता है, लेकिन कई अभिनेत्रियां ऐसा करते हुए शानदार काम कर रही हैं। साथ ही कुछ फिल्म निर्माण में भी सक्रिय हैं। अभिनेत्री लारा दत्ता भी इसी सूची में शामिल हैं। लारा ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी के अंतर्गत पहली फिल्म 'चलो दिल्ली' रिलीज की थी। इसके बाद उन्होंने कोई और प्रोजेक्ट नहीं किया, लेकिन अब लारा दत्ता अपने प्रोडक्शन के अंतर्गत कुछ कहानियां चुन चुकी हैं।

इस बारे में लारा कहती हैं, प्रोडक्शन का काम जल्द ही शुरू करना है, लेकिन पहले मेरे जो काम पाइपलाइन में हैं, वो खत्म कर लूं। मेरी आगामी फिल्मों में सूर्यास्त बनकर तैयार है। हाल ही में मैंने अभिनेत्री पत्रलेखा के साथ इस फिल्म की शूटिंग खत्म की है। फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की शूटिंग जारी है। साथ ही 'रामायण' की भी शूटिंग चल रही है। नया काम शुरू करने से पहले मुझे थोड़ी सांस लेने की मोहलत तो मिले। मैं मां और पत्नी भी हूं। ऐसे में मेरे लिए प्रोफेशनल और निजी जिंदगी के बीच संतुलन रखना बहुत जरूरी है। मैं भी चाहती हूं कि अपने फैंस को खुश करते हुए मैं बहुत सारी चीजें करूं। मैं अच्छी अभिनेत्री बनने के साथ ही अच्छी प्रोड्यूसर भी बनूं। हालांकि, इन परिस्थितियों में ये सारे काम पूरी गति के साथ करना बहुत मुश्किल हो जाता है, लेकिन मेरे ख्याल से हर चीज अपने समय पर हो ही जाएगी। लारा दत्ता के वर्क फ्रंट की बात करें, तो उन्हें वेब सीरीज 'रणनीतिः बालाकोट एंड बियॉन्ड' में देखा गया था। जहां उनके अभिनय को लोगों ने काफी पसंद किया। इस सीरीज में उनके साथ जिमी शेरगिल, आशुतोष राणा समेत कई स्टार्स दिखाई दिए। अब वह जल्द ही 'वेलकम टू द जंगल' और रणबीर कपूर के साथ नितेश तिवारी की 'रामायण' में दिखाई दे सकती हैं।

'द ब्लफ' में दिखाई देंगी प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा को फिल्मी दुनिया में एक दशक से ज्यादा वक्त हो गया है। 'बर्फी', 'डॉन', 'मैरी कॉम' और 'बाजीराव मस्तानी' जैसी फिल्में करने के बाद प्रियंका आज हॉलीवुड में भी जलवा दिखा रही हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने साल 2017 में आई फिल्म 'बेवॉच' से हॉलीवुड में कदम रखा था। तब से उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार बड़ी-बड़ी फिल्मों और सीरीज में तहलका मचा रही हैं।

पिछले साल वह रूसो ब्रदर्स की वेब सीरीज 'सिटाडेल' और 'लव अगैन' में दिखाई दी थीं। प्रियंका चोपड़ा ने और हॉलीवुड फिल्मों की तैयारी शुरू कर दी है। कुछ समय पहले प्रियंका चोपड़ा ने 'हेड्स ऑफ स्टेट' की शूटिंग पूरी की है। 'हेड्स ऑफ स्टेट' के बाद अभिनेत्री अपनी आगामी फिल्म 'द ब्लफ' की तैयारियों में जुट गई हैं। एक्ट्रेस ने भगवान का नाम लेकर अपना नया प्रोजेक्ट शुरू किया है। प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर 'द ब्लफ' के रीडिंग सेशन की झलक दिखाई है। फोटो के साथ प्रियंका ने कैप्शन में लिखा, 'इसकी शुरुआत हो गई।' एक्ट्रेस ने अपनी नई फिल्म की शुरुआत भगवान के नाम से की है, जो फिल्म की स्क्रिप्ट पर ऊं के चिन्ह से साफ जाहिर होता है। 'द ब्लफ' की शूटिंग ऑस्ट्रेलिया में शुरू होने जा रही है। कुछ समय पहले ही प्रियंका चोपड़ा अपनी बेटी के साथ ऑस्ट्रेलिया रवाना हुई थीं। इस फिल्म में वह कार्ल अर्बन के साथ धमाल मचाएंगी। 'द ब्लफ' का निर्देशन फ्रैंक ई. फ्लावर्स कर रहे हैं। यह फिल्म सिनेमाघरों में नहीं बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। 'द ब्लफ' और जॉन सीना के साथ 'हेड्स ऑफ स्टेट' के अलावा प्रियंका चोपड़ा के पास हिट वेब सीरीज 'सिटाडेल' का दूसरा सीजन भी है। चर्चा है कि वह फरहान अख्तर की फिल्म 'जी ले जरा' से बॉलीवुड में कमबैक करेंगी। उनके साथ आलिया भट्ट और कटरीना कैफ भी नजर आएंगी।

अतीत के कैदी हो : अर्जुन कपूर

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर ग्लैमर वर्ल्ड के सबसे चर्चित कपल्स में से एक रहे हैं। दोनों ने हमेशा अपने प्यार से ट्रोल्स का मुंह बंद किया है, लेकिन इस वक्त उनके ब्रेकअप की खबरों से फिल्मी गलियारों में हलचल मच गई है। एक हालिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि अर्जुन और मलाइका ने 6 साल बाद अपना रिश्ता तोड़ दिया है। दोनों अलग हो चुके हैं और अपनी जिंदगी में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। इन खबरों के वायरल होने के बाद एक बातचीत में मलाइका की मैनेजर ने अफवाहों को खारिज कर दिया और इसे सिर्फ अफवाह बताया। इस बीच अर्जुन कपूर ने ऐसा पोस्ट कर दिया है, जो फैंस को चिंता में डाल रहा है। अर्जुन ने अपने हालिया पोस्ट में इशारों-इशारों में अतीत से निकलकर नये रास्ते की ओर बढ़ने का हिंट दिया है, जिसे लोग उनके ब्रेकअप से जोड़कर देख रहे हैं। अभिनेता ने शनिवार को इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट में लिखा, 'हमारे पास जिंदगी में दो च्वॉइस होते हैं। या तो हम अपने अतीत के कैदी बन सकते हैं या फिर भविष्य की संभावनाओं की खोज कर सकते हैं।

डिनर पर गईं दीपिका पादुकोण

एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण कुछ ही महीनों में मां बनने वाली हैं। एक्ट्रेस के साथ ही उनके फैंस भी उनके बेबी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फरवरी के आखिरी महीने में कपल ने इस गुड न्यूज को अपने फैंस के साथ शेयर की थी। दीपिका पादुकोण की डिलीवरी डेट इस साल सितंबर में है।

एक्ट्रेस की कुछ दिनों पहले फोटो सामने आई थी, जिसमें उनका बेबी बंप नजर आ रहा था। इसके बाद सोशल मीडिया पर फैंस की बधाइयों का तांता लग गया। हाल ही में एक्ट्रेस अपनी फैमिली के साथ डिनर पर गईं। एक्ट्रेस का ये वीडियो वायरल तो हुआ ही। साथ ही एक बार फिर से उनके बेबी बंप ने लोगों का ध्यान खींचा। रणवीर सिंह, अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के दूसरे प्री-वेडिंग में शामिल होने के लिए रवाना हो चुके हैं। वहीं, दीपिका इस बार के फंक्शन को अटेंड नहीं कर पाई हैं। उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह फैमिली मेंबर्स और केयर टेकर के साथ रेस्टोरेंट से बाहर आती नजर आ रही हैं। उनके साथ एक लड़की भी है, जिस पर लोगों की नजरें पड़ीं, तो कमेंट सेक्शन में कमेंट्स की बाढ़ आ गई।

बिग बी यानी अमिताभ बच्चन और जया बच्चन की पोती नव्या नवेली नंदा सिर्फ 26 साल की उम्र में एक सफल एंटरप्रेन्योर बन चुकी हैं। अपने शुरुआती दौर में ही नव्या ने आरा हेल्थ नाम से एक हेल्थ कंसेल्टेंसी की स्थापना की और जब महज 20 साल की उम्र में उन्होंने एनजीओ प्रोजेक्ट नवेली की शुरुआत की। फिल्म इंडस्ट् से ताल्लुक होने और एक बड़े परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद नव्या ने दूसरे स्टार किड्स के नक्शेकदम पर ना चलता हुए अपना रास्ता खुद बनाने का फैसला किया। इस बीच खबरें ये भी उठती रहती हैं कि नव्या बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली हैं।

नव्या जल्द करेंगी बॉलीवुड डेब्यू

हालांकि नव्या की मां श्वेता बच्चन ने इन सभी अफवाहों पर लगाम लगाते हुए स्पष्टीकरण दे दिया है। हाल ही में एक इवेंट के दौरान श्वेता से नव्या के बॉलीवुड डेब्यू के बारे में पूछा गया। इस पर जवाब देते हुए श्वेता ने कहा कि मुझे लगता है कि नव्या जो काम कर रही है, उससे आप बहुत अच्छी तरह परिचित हैं। उसके हाथ अभी पूरी तरह से भरे हुए हैं और वो उसी काम में आगे बढ़ना चाहती है। मुझे नहीं लगता वो कभी बॉलीवुड में आना चाहेगी। नव्या ने 21 साल की उम्र में अपने पिता का बिजनेस ज्वाइन कर लिया था। नव्या ने हाल ही में दिए इंटरव्यू में अपने परिवार और बैकग्राउंड पर बात की थी। नव्या ने बताया कि फैमिली बैकग्राउंड की वजह से मुझे बिजनेस वुमन बनने में आसानी हुई। नव्या अपने पिता निखिल नंदा को भी उनके बिजनेस एस्कॉर्ट्स ग्रुप में हेल्प करती हैं। नव्या ने कहा कि मेरे परिवार ने ही मुझे गढ़ा है। इस बैकग्राउंड की वजह से ही मैं 21 साल की उम्र में एक सफल एंटरप्रेन्योर बन पाई हूं। मैं उम्मीद करती हूं कि मैं कड़ी मेहनत करके अपने लिए मौका बना ही लूंगी।

'शोले' है काजोल की फेवरेट मूवी

काजोल बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। उन्होंने बी टाउन की कई फिल्मों में काम किया है, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट और सुपरहिट रही हैं। अब बीते दिन एक्ट्रेस ने एक खास दिन पर अपनी ऑल टाइम फेवरेट फिल्म के बारे में खुलासा किया है। हालांकि काजोल की फेवरेट फिल्म का नाम जान कर उनके फैंस को धक्का लग सकता है। क्योंकि एक्ट्रेस ने 'कुछ कुछ होता है' से लेकर 'डीडीएलजे' तक अपनी किसी भी फिल्म को अपना फेवरेट नहीं बताया है और न ही उन्होंने अपने पति अभिनेता अजय देवगन की मूवी का नाम लिया है, बल्कि उन्होंने तो एक ऐसी फिल्म का नाम लिया, जिसे सुनकर फैंस थोड़े शॉक्ड हो सकते हैं। काजोल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर शुक्रवार को एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में एक्ट्रेस को कहते हुए सुना जा सकता है कि मेरी अब तक की सबसे पसंदीदा फिल्म, जिसे मैं कहीं से भी और कभी भी देख सकती हूं, वो है 'शोले'। मुझे यह मूवी काफी पसंद है और इसके किरदार भी पसंद हैं। यह मेरे लिए एक किताब की तरह है, जो लाइफ से जुड़ी हुई है, लेकिन भगवान का शुक्र है कि यह बुक नहीं थी। वहीं, उन्होंने आगे कहा कि इंग्लिश मूवी बहुत सारी हैं, जिनमें से चुनना मुश्किल है, लेकिन मैंने हाल ही में 'साउंड ऑफ म्यूजिक' देखी है। यह मूवी काफी अच्छी है, क्योंकि मुझे इसका म्यूजिक पसंद है, इसके किरदार अच्छे हैं। मैंने फिल्म को पूरे तीन घंटे देखा और बोर नहीं हुई।

गर्मी के मौसम में शूट हुई पंचायत 3

निर्देशक दीपक कुमार मिश्रा की वेब सीरीज पंचायत 3 की चर्चा इस वक्त हर तरफ जारी है। पिछले दो सीजन की तरह टीवीएफ सीरीज का तीसरा सीजन भी कमाल का निकला है। पंचायत के नए सीजन में पहले ही तरह जबरदस्त कहानी और स्टार कास्ट की एक्टिंग देखने को मिली है। खासतौर पर फुलेरा प्रधान मंजू देवी यानी बॉलीवुड एक्ट्रेस नीना गुप्ता ने एक बार फिर से शानदार अदाकारी से हर किसी का दिल जीत लिया है। इस बीच नीना ने बताया है कि कैसे भीषण गर्मी में पंचायत 3 की शूटिंग को किया गया था। पंचायत 3 को लेकर इस वक्त वेब सीरीज की स्टार कास्ट जबरदस्त प्रमोशन में लगी हुई है। मौजूदा समय में ये सीरीरज दर्शकों की पहली पंसद भी बन गई है। इस बीच नीना गुप्ता ने पंचायत सीजन 3 की शूटिंग के दौरान का किस्सा सुनाया है। इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में नीना ने बताया है- पंचायत के इस सीजन की शूटिंग हमारे लिए काफी कठिन रही।

रिद्धिमा ने शादी की बातों को बताया अफवाह

टीवी एक्ट्रेस रिद्धिमा पंडित काफी समय से अपनी शादी को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। कई लोग उनका नाम क्रिकेटर शुभमन गिल के साथ जोड़ रहे थे और कह रहे थे कि दोनों बहुत जल्द शादी करने वाले हैं। हाल ही में एक रिपोर्ट आई थी कि दिसंबर 2024 में रिद्धिमा और गिल शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। हालांकि, रिधिमा ने अब स्पष्ट कर दिया है कि इन दावों में कोई सच्चाई नहीं है। एक रिपोर्ट के मुताबिक रिद्धिमा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज के जरिए शादी की बात पर सफाई दी है। रिद्धिमा ने लिखा कि मेरे पास जर्नलिस्ट के बहुत सारे कॉल्स आ रहे थे, जिससे मेरी नींद खुली। सभी मेरी शादी को लेकर बात कर रहे थे। लेकिन मैं आपको बता दूं कि मैं कोई शादी नहीं कर रही। अगर मेरी लाइफ में ऐसा कुछ होता है तो मैं खुद ही इसे एनाउंस कर दूंगी। फिलहाल शादी वाली खबर में कोई सच्चाई नहीं है। रिद्धिमा बहू हमारी रजनीकांत,हैवान और द ड्रामा कंपनी जैसे कई सीरियल और शोज में नजर आईं। सीरीयल बहू हमारी रजनीकांत में रिद्धिमा का कैरेक्टर इंसानों जैसी दिखने वाली रोबोट का था, जो फटाफट सब काम बड़ी तेजी से कर देती है। इसके अलावा वो टीवी शो खतरा खतरा खतरा और बिग बॉस ओटीटी के पहले सीजन में भी नजर आई थीं। हालांकि वो इससे दूसरे या तीसरे हफ्ते में ही एलिमिनेट हो गई थी।

शिव ठाकरे के साथ शादी करने जा रही हैं डेजी शाह?

सलमान खान की फिल्म जय हो से बतौर लीड एक्ट्रेस अपने करियर की शुरुआत करने वालीं डेजी शाह का काफी समय से शिव ठाकरे के साथ नाम जोड़ा जा रहा है। वैसे तो दोनों कई बार इन खबरों को गलत बचा चुके हैं, लेकिन अब कुछ दिनों से शादी की खबरें आ रही हैं। अब इस पर डेजी का रिएक्शन आया है। डेजी ने यह भी बताया कि क्यों ये अफवाह इतनी वायरल हो रही है और इस पर इतना डिस्कशन हो रहा है। डेजी ने एक बातचीत में कहा, 'यह पहली बार है जब ये अफवाह शादी तक पहुंची है। शिव और मेरे बीच कुछ नहीं है। हम अच्छे दोस्त हैं। ये सब अफवाह इतनी वायरल हो रही है क्योंकि एक समय था जब मैं इंडस्ट्री में आई थी, सब मेरे लिए नया था और किसी ने मेरा हाथ पकड़ा और मुझे गाइड किया। ऐसे ही जब मैं शिव से पहली बार मिली, उन्होंने कई रिएल्टी शोज किए हैं। मैंने उनसे सलाह ली और जब बात फिल्मों को लेकर होती है तो शिव मुझसे सलाह लेते हैं क्योंकि इसमें मेरा एक्सपीरियंस ज्यादा है।'

मैंने बहुत कुछ सीखा : पत्रलेखा

साल 2014 में एक फिल्म आई थी नाम था सिटीलाइट्स। 30 मई को इस फिल्म को रिलीज हुए 10 साल हो गए। इस फिल्म में राजकुमार राव और पत्रलेखा मुख्य किरदार में नजर आए थे और ये पत्रलेखा की डेब्यू फिल्म थी। इस फिल्म को हंसल मेहता ने डायरेक्ट किया था। अब फिल्म के एक दशक पूरा होने और उसका जश्न मनाने के लिए पत्रलेखा ने हंसल मेहता का आभार जताया है। पत्रलेखा ने हंसल मेहता को उनकी प्रतिभा पहचानने और उन्हें ब्रेक देने के लिए थैंक्यू कहा। अपनी जर्नी पर बात करते हुए पत्रलेखा ने कहा कि यह सीखने, ग्रोथ और ना भूल पाने वाले मोमेंट्स की अनोखी यात्रा रही। मेरी प्रतिभा को पहचानने और मुझे अभिनय करने का मौका देने के लिए मैं अपने निर्देशक हंसल मेहता को विशेष धन्यवाद देती हूं। राखी दीपक सिंह एक बेहद खूबसूरत और कॉम्प्लेक्स रोल था। इसके अलावा उन्होंने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स पर भी बात की। पत्रलेखा ने कहा कि मैं बहुत उत्साहित हूं कि आगे चलकर भी मेरे कई सारे रोल्स आने वाले हैं। मैंने कई सारे प्रोजेक्ट्स पर काम किया है और मैं इंतजार नहीं कर सकती। मैं चाहती हूं कि ऑडियंस उसे जल्द से जल्द देखे। साल 2014 में रिलीज हुई फिल्म 'सिटीलाइट्स'एक ड्रामा फिल्म है जोकि बाफ्टा के लिए नॉमिनेटेड ब्रिटिश फिल्म 'मेट्रो मनीला' (2013) का हिंदी रीमेक थी। यह राजस्थान के एक गरीब किसान की कहानी बताती है जो आजीविका की तलाश में मुंबई आता है। सीन एलिस द्वारा निर्देशित क्राइम ड्रामा 'मेट्रो मनीला' फिलीपींस को आधार करके बनाई गई थी।

गाजियाबाद में लू से तीन दिन में 9 की मौत

गाजियाबाद। नौतपा की तपिश लोगों की सेहत पर भारी पड़ने लगी है। तीन दिन में लू लगने से नौ लोगों की जान जा चुकी है। शुक्रवार देर रात और शनिवार को दो बुजुर्ग गर्मी से बेहोश होकर गिरे और अस्पताल पहुंचने पर मृत घोषित कर दिए गए। एक बुजुर्ग अस्पताल के गेट पर ही पुलिसकर्मियों को बेहोश मिले थे। उनकी अभी तक पहचान नहीं हो सकी है।

विजयनगर के बिहारीपुरा निवासी बनारस (80) को शुक्रवार देर रात परिजन बेहोशी की हालत में अस्पताल लेकर पहुंचे थे। परिजनों ने डॉक्टर से बताया कि वह अचानक ही बेहोश हो गए थे। एमएमजी अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचने पर डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव अपने साथ ले गए। डॉक्टर ने बताया कि बुजुर्ग को डिहाइड्रेशन था।

वहीं, जिला एमएमजी अस्पताल के गेट नंबर दो के पास शनिवार सुबह एक बुजुर्ग बेहोशी की हालत में पड़े थे। पुलिसकर्मी उन्हें इमरजेंसी में ले गए। जहां जांच के बाद डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर का कहना है कि बुजुर्ग की मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही पता चल सकेगा। आशंका है कि गर्मी के कारण बेहोश होने पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। बुजुर्ग की पहचान नहीं हो सकी है। उनका शव मोर्चरी में रखवाया गया है।

एमएमजी और संयुक्त अस्पताल में 20-20 बेड के हीट वेव वार्ड बनाए गए हैं। इनमें लू और डायरिया के मरीजों को भर्ती किया जा रहा है। शनिवार को दोनों अस्पतालों के इन वार्डों में अधिकांश बेड पर मरीज भर्ती मिले। दोनों अस्पतालों की ओपीडी में पहुंचने वाले मरीजों में बुखार के मरीजों की संख्या 22 प्रतिशत से ज्यादा रही। एमएमजी अस्पताल में 1500 से ज्यादा मरीज पहुंचे, उनमें 315 मरीज बुखार के थे। जबकि संयुक्त अस्पताल में 180 मरीज बुखार से बीमार थे। बच्चों की संख्या भी दोनों अस्पतालों में 300 से ज्यादा रही।

एमएमजी अस्पताल के फिजिशियन डॉ. आलोक रंजन ने बताया कि पहले से बीमार चल रहे मरीजों को अधिक परेशानी हो रही है। विशेष तौर पर मधुमेह, गुर्दा, हृदय और कैंसर मरीजों में डिहाइड्रेशन और लू लगने का खतरा अधिक होता है। ऐसे मरीजों को दोपहर 12 से चार बजे के बीच भीषण गर्मी में घर से निकलने से बचना चाहिए। इसमें सांस रोग से जुड़े मरीजों को भी बेहद एहतियात बरतने की जरूरत होती है। वहीं, डॉ. रंजन ने बताया कि जो लोग अधिक शराब पीते हैं, उन्हें लू और डिहाइड्रेशन से बचने की अधिक जरूरत है।

सभी नागरिक सेग्रीगेटिड कूड़ा ही डालें तथा स्वच्छता अभियान में करें सहयोग : डॉ. लोकेश एम

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने नोएडावासियों से अपील की कि वे अपना कूड़ा पांच श्रेणियां में सेग्रीगेट करके ही डालें। इसके अलावा सभी नोएडा को स्वच्छ रखने में अपना पूरा योगदान दें ताकि स्वच्छता के क्षेत्र में नोएडा को अव्वल स्थान का दर्जा मिल सके। सेक्टर-62 पार्क में प्लगिंग अभियान के बाद सीईओ डॉक्टर लोकेश एम ने सभी आरडब्ल्यूए संस्थाओं के पदाधिकारियों को स्वच्छता का संकल्प दिलाया तथा इसके बाद हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।

अपने संबोधन में डॉ. लोकेश एम ने कहा कि नोएडा के करीब 21 सेक्टरों में पांच श्रेणी में कूड़े को अलग-अलग करके डाला जा रहा है। बाकी सभी सेक्टरों के नागरिक इसका अनुसरण करें। उन्होंने कहा कि अपने घर के कूड़े को सूखा कूड़ा, गीला कूड़ा, सेनेटरी कूड़ा, घरेलू खतरनाक कूड़ा तथा ईवेस्ट में अलग-अलग श्रेणी में बांटकर ही डालें।

इस मौके पर डीडीआरडब्ल्यूए के अध्यक्ष एनपी सिंह, नोफा के अध्यक्ष राजीव सिंह, फोनरवा के कोषाध्यक्ष पवन सिंह, एवरग्रीन आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष पुनीत शुक्ला समेत सैकड़ो पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे। इसके अलावा नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ संजय खत्री, महाप्रबंधक (जल) आरपी सिंह, उप महाप्रबंधक (जन स्वास्थ्य) एसपी सिंह, उप महाप्रबंधक (सिविल) विजय रावल, वरिष्ठ प्रबंधक आरके शर्मा, गौरव बंसल के अलावा गाइडेड फॉर्चून की समिति की पूरी टीम, आईएलआरटी की पूरी टीम तथा 50 सफाई मित्र भी मौजूद थे।

4 जून को नोएडा के शराब के ठेकों पर रहेगा लॉक डाउन

नोएडा (चेतना मंच)। 4 जून को मतगणना के दौरान

नोएडा समेत समूचे जनपद गौतमबुद्धनगर में शराब के ठेके बंद रहेंगे। इस आदेश का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार श्रीवास्तव ने जारी किए हैं।

देसी शराब, विदेशी, मदिरा, बियर, मॉडल शॉप्स एवं भांग की फुटकर बिक्री की दुकानें तथा मदिरा के थोक अनुज्ञापनों, सैन्य कैंटीनें (एफ0एल0-9/9ए), होटल, बार, रेस्टोरेंट्स, क्लब, पर भी शराब की बिक्री बंद रहेगी। उक्त अवधि में बंदी के फलस्वरुप अनुज्ञापियों को किसी प्रकार का कोई प्रतिफल आदि देय नहीं होगा। उक्त आदेशों का जनपद में कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

आईटी कंपनी में एसी में ब्लॉस्ट से लगी आग

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर-63 क्षेत्र में एक आईटी कंपनी में आग लग गई। आग कंपनी में लगे एसी के इंडोर यूनिट में ब्लॉस्ट होने की वजह से लगी। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। आग की सूचना मिलने के बाद मौके पर दमकल विभाग की चार गाड़ियां पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि शनिवार दोपहर को सेक्टर 63 में स्थित एक आईटी कंपनी में आग लग गई। उन्होंने बताया कि आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की चार गाड़ियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आगे उनका कहना है कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं है। इस घटना के चलते कंपनी में काम करने वाले लोगों में काफी देर तक दहशत का माहौल रहा। आसपास की कंपनियों से भी लोग निकलकर बाहर आ गए। कंपनी में आग से कुछ गाड़ियां भी जल गई हैं। उन्होंने बताया कि एसी के इंडोर यूनिट में ब्लॉस्ट होने की वजह लगी है। आग कंपनी के सेकेण्ड फ्लोर पर लगी थी।

यशोदा हॉस्पिटल में रिवर्स टोटल शोल्डर सर्जरी

गाजियाबाद। यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कौशाम्बी में रिवर्स टोटल शोल्डर आर्थोप्लास्टी सफलतापूर्वक की गई। यह जटिल प्रक्रिया पूरे गाजियाबाद क्षेत्र में की गई पहली कुछ सर्जरी में से एक है।

प्रेसवार्ता में वरिष्ठ सलाहकार, ऑर्थोपेडिक्स और जॉइंट रिप्लेसमेंट विशेषज्ञ डॉ. अखिल कुलश्रेष्ठ ने बताया कि मरीज जिसने दिसंबर 2023 में एक अस्पताल में प्रोक्सिमल ह्यूमरस फेक्चर के लिए असफल उपचार करवाया था। अप्रैल 2024 में लगातार दर्द और सीमित कंधे की गतिशीलता के साथ यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल आया। डॉ. अखिल कुलश्रेउ और उनकी टीम की विशेषज्ञ देखरेख में एक व्यापक मूल्यांकन किया गया और रिवर्स टोटल शोल्डर आर्थोप्लास्टी करने का निर्णय लिया गया। रिवर्स टोटल शोल्डर आर्थोप्लास्टी एक अत्यंत असामान्य और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण सर्जरी है। इस प्रक्रिया में. ह्यूमरस के ऊपरी सिरे में एक कप के

आकार का कृत्रिम अंग और संबंधित स्कैपुला में एक गेंद के आकार का कृत्रिम अंग डाला जाता है। यह सर्जरी यशोदा कौशाम्बी में अपनी तरह की पहली थी. जिसमें इस विशेष प्रकार के इम्प्लांट्स का उपयोग किया गया।

डॉ. अखिल कुलश्रेष्ठ, डॉ. सुनील शर्मा (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट), वरिष्ठ ओटी तकनीशियन रतन और पूरी ओटी टीम की मदद से सर्जरी को अत्यधिक सटीकता के साथ पूरा किया। यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के चेयरमैन, डॉ. पी. एन. अरोरा ने कहा कि यह सफल सर्जरी हमारे अस्पताल की उन्नत चिकित्सा प्रक्रियाओं को अपनाने और उत्कृष्ट रोगी देखभाल प्रदान करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

नोएडा के व्यवसाई से शेयर ट्रेडिंग के नाम पर करोड़ों की ठगी

चेन्नई, असम व भुवनेश्वर में जालसाजों के अकाउंट

नोएडा। शेयर ट्रेडिंग के खेल में अपनी मेहनत की कमाई लगाकर रातों-रात अमीर बनने के सपने देखने वाले थोड़ा सावधान हो जाएं। यह खबर आपके लिए बेहद खास है शेयर ट्रेडिंग के नाम पर नोएडा सहित देश के कई राज्यों में जालसाजी का बड़ा खेल खेला जा रहा है। इन जालसाजों के जाल में फंसकर नोएडा के एक व्यवसाई ने करोड़ों रुपए गवां दिए हैं।

नोएडा पुलिस कमिश्नरेट के एसीपी साइबर क्राइम विवेक रंजन राय ने बताया कि नोएडा के सेक्टर-40 निवासी व्यवसाई रजत बोथरा ने साइबर क्राइम थाने में एक रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 28 अप्रैल 2024 को उन्हें एक व्हाट्सएप ग्रुप नंबर 882821 7032 से ऐड किया गया। यह ग्रुप शेयर ट्रेडिंग के मुनाफे के बारे में बताता था इस ग्रुप के द्वारा उन्हें शेयर ट्रेडिंग से होने वाले मुनाफे के बारे में बताया गया और एक लिंक भेजा गया। जिस पर क्लिक करके और कई स्टेप फॉलो करने के बाद उनके मोबाइल पर एक ऐप डाउनलोड हो गया। जालसाजों द्वारा उन्हें बताया गया कि शेयर ट्रेडिंग के जरिए उन्हें बेहतर मुनाफा मिल सकता है। शेयर ट्रेडिंग में पैसे लगाने के चक्कर में उन्होंने 1 महीने के अंदर लगभग 9.9 करोड रुपए विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए। उन्होंने कुल 13 बार में यह राशि बैंक अकाउंट में ट्रांसफर की। इस दौरान उनके द्वारा ट्रांसफर किए गए पैसों को विड्रॉल करने की कोशिश की गई लेकिन पैसे नहीं निकाल पाए। क्योंकि एप्लीकेशन पैसे निकालने की अनुमति नहीं देता था। तभी उन्हें शक हुआ कि उनके साथ साइबर ठगी हुई है।

फर्जी वेबसाइट व लिंक और एप्लीकेशन तैयार का शेयर ट्रेडिंग में मुनाफे के नाम पर करोड रुपए की ठगी उनसे की गई है। उन्होंने इस संबंध में 29 मई को एनसीआर पोर्टल पर घटना की शिकायत दर्ज कर दी। इसके बाद साइबर क्राइम थाने की पुलिस सक्रिय हुई और उन्होंने रजत के एक करोड़ 62 लाख रुपए फ्रीज करा दिए। एसीपी ने बताया कि जांच के दौरान पता चला है कि व्यवसाई के साथ की गई ठगी के जाल कई राज्यों में फैले हुए हैं। जांच में पता चला है कि जिन बैंक अकाउंट में 9 करोड़ 9 लाख रुपए ट्रांसफर किए गए हैं वह बैंक अकाउंट चेन्नई, असम, भुवनेश्वर, हरियाणा और राजस्थान में खुले हुए हैं। पुलिस इन बैंक अकाउंट की जांच कर रही है और साइबर ठग को पकड़ने के लिए एक टीम भी बनाई गई है।

नोएडा पुलिस कमिश्नरेट के एडीसीपी नोएडा द्वारा थाना सेक्टर-49 का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क, साइबर हेल्प डेस्क, कम्प्यूटर कक्ष, मालगृह, अभिलेख, आदि को चेक कर अभिलेखों को स्वच्छ व व्यवस्थित रखने एवं शिकायतों के अविलंब निस्तारण के निर्देश दिए गए।